बर्षः- 06
अंकः- 123
मुरादाबाद
(Monday)
24 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

हर तरफ भोले ही भोले :दिल्ली-हरिद्वार हाईवे पर उमड़ा कांवड़ियों का सैलाब

हर ओर हर- हर महादेव का गूंज रहा जयघोष

दिल्ली और हरिद्वार हाईवे पर रविवार को कांवड़ियों का सैलाब उमड़ा। डीजे पर बज रहे शिव के भजनों पर झूमते थिरकते शिव भक्त गंगाजल लेकर हरिद्वार और ब्रजघाट से लौट रहे हैं। हर ओर बस भगवा रंग दिख रहा है। हर हर महादेव, बोल बम के जयघोष से माहौल पूरी तरह शिवमय हो गया है। दिल्ली और हरिद्वार हाईवे पर रविवार को कांवड़ियों का सैलाब उमड़ा। डीजे पर बज रहे शिव के भजनों पर झूमते थिरकते शिव भक्त गंगाजल लेकर हरिद्वार और ब्रजघाट से लौट रहे हैं। हर ओर बस भगवा रंग दिख रहा है। हर हर महादेव, बोल बम के जयघोष से माहौल पूरी तरह शिवमय हो गया है।

सावन के आखिरी सोमवार को शिवालयों में गंगाजल से भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना कर शिवभक्त अपने व परिवार के कल्याण की प्रार्थना करेंगे। इसके लिए बड़ी संख्या में कावड़ियों का जत्था हरिद्वार और ब्रजघाट से गंगाजल भरकर हरिद्वार और दिल्ली हाईवे से होकर लौटता रहा। डीजे पर बज रहे शिव के भजनों पर झूमते हुए शिव की भक्ति में डूबे कांवड़ियों का रेला गंगाजल लेकर अपने गंतव्य को लौटता रहा।सावन के आखिरी सोमवार को कांवड़िए गंगाजल से शिवालयों में भोलेनाथ का अभिषेक कर विधि विधान से आस्था के साथ पूजा अर्चना कर अपने व अपने परिवार की सुख समृद्धि, खुशहाली के अलावा लोक कल्याण की प्रार्थना करेंगे। दिल्ली और कांठ रोड पर लगे शिविरों में आयोजकों ने स्थानीय लोगों के सहयोग से शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा कर पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। शिविरों में कहीं जल सेवा तो कहीं फलाहार आदि वितरित कर उनकी सेवा की जा रही है। कांवड़ियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने व्यवस्था का मोर्चा खुद संभाला है।

महाराणा प्रताप चौक पर नगर निगम के शिविर में कावड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। साथ ही भंडारे में भोजन प्रसाद वितरित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में कांवड़ियों ने भोजन ग्रहण किया। ब्रजघाट से गंगाजल लेकर दिल्ली हाईवे होते हुए कांवड़िये मुरादाबाद, रामपुर, बरेली व आसपास के क्षेत्रों में गंगाजल लेकर पहुंचेंगे और सोमवार को शिवालयों में जलाभिषेक करेंगे। जलाभिषेक के लिए महानगर के शिवालयों मंदिरों व आसपास के क्षेत्रों में पेयजल, प्रकाश व्यवस्था का प्रबंध सुनिश्चित किया गया है।।1 सावन के अंतिम सोमवार को लेकर मुरादाबाद में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर रविवार सुबह छह बजे से जीरो ट्रैफिक लागू कर दिया गया है। दोनों लेन कांवड़ियों और उनके वाहनों के लिए आरक्षित हैं, जबकि अन्य वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जा रहा है। मुरादाबाद में सावन के अंतिम सोमवार को लेकर पुलिस ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को पूरी तरह कांवड़ियों के अनुकूल कर दिया है। रविवार सुबह छह बजे से दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर जीरो ट्रैफिक लागू कर दिया गया। हाईवे की दोनों लेन पर अब सिर्फ कांवड़िये और उनके वाहन ही नजर आ रहे हैं।भारी और हल्के वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से गुजारा जा रहा है। एसपी यातायात सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि मुरादाबाद से दिल्ली की ओर जाने वाली लेन पर ब्रजघाट की तरफ जा रहे कांवड़िये और उनके वाहन चल रहे हैं। वहीं, दिल्ली से मुरादाबाद की ओर आने वाली लेन में गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों के लिए व्यवस्था की गई है।रूट डायवर्जन का सख्ती से पालन कराने के लिए हाईवे पर जगह-जगह पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। पुलिस की टीमें वाहनों की निगरानी करने के साथ कांवड़ियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित कर रही हैं। यह व्यवस्था सोमवार दोपहर दो बजे तक लागू रहेगी।जीरो ट्रैफिक व्यवस्था के दौरान दिल्ली-लखनऊ हाईवे की दोनों लेन सामान्य यातायात के लिए बंद रहेंगी। भारी वाहनों के साथ हल्के वाहनों को भी निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से भेजा जा रहा है। पुलिस ने वाहन चालकों से डायवर्जन का पालन करने और अनावश्यक रूप से हाईवे पर न आने की अपील की है।दिल्ली रोड पर गागन नदी का दो पुल हैं लेकिन एक पुल पर निर्माण कार्य चल रहा है। जिस कारण एक पुल से ही आने और जाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। रविवार को दिल्ली रोड से ही कांवड़िये शहर की ओर आएंगे। इस लिए पुल पर अधिक दबाव बढ़ने के कारण रविवार की सुबह छह बजे से फव्वारा चौराहा से दिल्ली रोड पर जीरो प्वाइंट बाइकों के संचालन पर भी रोक लगा दी है।शाहजहांपुर से दिल्ली की ओर जाने वाले ट्रक, ट्रैक्टर और मालवाहक भारी वाहन और हल्के वाहन बदायूं, बबराला, नरौरा और बुलंदशहर होकर दिल्ली जाएंगे और इसी रास्ते से वापस आएंगे।

बरेली और रामपुर से दिल्ली की ओर जाने वाले भारी वाहन और हल्के वाहन शाहबाद, बिलारी, सिरसरी, चौधरी सराय, गवां से नूरपुर तिराहा से बबराला, नरौरा, बुलंदशहर होकर जाएंगे। यह वाहन चौधरी सराय चौकी संभल से गवां रोड होते हुए खिरनी कट से गंगा एक्सप्रेस वे पर चढ़कर जा सकेंगे।मुरादाबाद से मेरठ और दिल्ली जाने वाले भारी वाहन और हल्के वाहन गागन तिराहा, मैनाठेर, सिरसी, संभल, बबराला, नरौरा, डिबाई, बुलंदशहर और हापुड़ होकर जाएंगे। यह वाहन संभल के गवा रोड होते हुए खिरनी कट से गंगा एक्सप्रेस वे पर चढ़ कर भी जा सकते हैं।

दिल्ली-गाजियाबाद से रामपुर, बरेली और लखनऊ जाने वाले भारी वाहन और हल्के वाहन हापुड़, सिंभावली, डिबाई, नरौरा और बदायूं के रास्ते भेजे जाएंगे। यह वाहन हापुड़ के सिंभावली कट से गंगा एक्सप्रेस वे पर चढ़कर भी सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

किस तैयारी में जुटी सरकार?: मानसून सत्र खत्म करने में देरी पर कांग्रेस का सवाल

मानसून सत्र की कार्यवाही समाप्त होने के बाद भी सत्रावसान की औपचारिक प्रक्रिया पूरी नहीं होने को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। पार्टी नेता जयराम रमेश ने कहा कि सामान्य परिस्थितियों में अनिश्चितकालीन स्थगन और सत्रावसान के बीच कुछ दिनों का अंतर रहता है, लेकिन मौजूदा स्थिति असामान्य है। उन्होंने इस देरी को परिसीमन से जुड़े संभावित संवैधानिक बदलाव से जोड़ते हुए सरकार की मंशा पर सवाल उठाया।संसद के मानसून सत्र को औपचारिक रूप से समाप्त करने में हो रही देरी पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस ने रविवार को पूछा कि क्या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अब भी परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को विशेष सत्र में पारित कराने के लिए अपने दागी दो-तिहाई बहुमत की तलाश में हैं। लोकसभा और राज्यसभा को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने और उसके सत्रावसान (औपचारिक रूप से सत्र समाप्त करने) के बीच आमतौर पर दो से चार दिन का अंतर होता है। हालांकि, ऐसे कई उदाहरण हैं जब स्थगन और सत्रावसान एक ही दिन हुआ है।रमेश ने कहा कि लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए 10 दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी तक इसके सत्रावसान की कोई जानकारी नहीं है। कांग्रेस नेता ने एक्स पर कहा, यह सही है कि 2015 में मानसून सत्र में यह अंतर 28 दिन और 2021 में 20 दिन का था।

मायावती की सीधी बातः बोलीं- आरक्षण विरोधी तत्वों को संरक्षण न दें सरकारें, सस्ती राजनीति से बचने की दी नसीहत

जंतर-मंतर पर आरक्षण के विरोध पर हुए प्रदर्शन पर मायावती ने आपत्ति जताई है। कहा कि सरकारें आरक्षण विरोधी तत्वों को संरक्षण नहीं दें। उन्होंने सस्ती राजनीति से बचने की नसीहत भी दी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर एससी, एसटी और ओबीसी समाज को संविधान में दिए गए आरक्षण के विरोध में हाल में हुए प्रदर्शन और आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि आरक्षण के मुद्दे पर ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जाना चाहिए, जिससे समतामूलक समाज और विकसित एवं सम्मानित देश बनाने के संवैधानिक प्रयासों को आघात पहुंचे। मायावती ने कहा कि सदियों से जातिवाद की अमानवीयता का शिकार रहे एससी, एसटी और ओबीसी समाज के लिए संविधान में आरक्षण की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के कथन का हवाला देते हुए कहा कि जातिवाद का परित्याग ही सबसे बड़ी देशभक्ति है। ऐसे में लोगों को सही देशभक्ति का परिचय देना चाहिए।आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग पर सवाल

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग के बजाय सरकारों को गरीबी उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए। केंद्र और राज्य सरकारें गरीबी उन्मूलन की योजनाओं पर हर वर्ष बड़ी राशि खर्च करती हैं, लेकिन भ्रष्टाचार और सरकारी व्यवस्था की कमियों के कारण जरूरतमंदों तक उसका पूरा लाभ नहीं पहुंच पाता। मायावती ने आर्थिक आधार पर लागू आरक्षण की व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इसका अपेक्षित लाभ गरीब सवर्ण परिवारों को नहीं मिल पा रहा है और इसमें छलावा अधिक दिखाई देता है।सरकारी व्यवस्था पर लगाया जातिवादी होने का आरोप-बसपा सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि भ्रष्ट और जातिवादी सरकारी व्यवस्था ने आरक्षण के संवैधानिक प्रावधानों को सही तरीके से जमीन पर लागू नहीं होने दिया। उनका कहना है कि इसी वजह से एससी, एसटी और ओबीसी समाज के लोग आजादी के लंबे समय बाद भी गरीबी, जातीय द्वेष, शोषण, अत्याचार और भेदभाव का सामना कर रहे हैं।उन्होंने सभी सरकारों से अपील की कि आरक्षण विरोधी तत्वों को किसी प्रकार का संरक्षण या शरण न दी जाए। साथ ही लोगों से आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे पर सस्ती राजनीति नहीं करने और न ही उसे बढ़ावा देने की नसीहत दी। समझाने तक की कोशिश नहीं की। मायावती ने इसे इन वर्गों के प्रति कांग्रेस की आरक्षण विरोधी मानसिकता का संकेत बताया।

तोताराम की हुई रजियाः हरदोई की युवती ने बदला धर्म, बरेली में प्रेमी के साथ किया विवाह

हरदोई जिले की रहने वाली युवती रजिया ने प्यार की खातिर अपना धर्म बदल लिया। उसने गौरी बनकर बरेली निवासी तोताराम से शादी कर ली। दोनों चार साल से एक-दूसरे को जानते हैं। जयपुर के ईंट भट्ठे से दोनों की प्रेम कहानी शुरू हुई थी। जयपुर के ईट भट्ठे पर परवान चढ़ी दो कामगारों की प्रेम कहानी बरेली में सात फेरों के पवित्र बंधन में बंध गई। फरीदपुर निवासी तोताराम नाम के युवक ने हरदोई के संडीला निवासी रजिया से बरेली के अगस्त्य मुनि आश्रम में विवाह कर लिया। आश्रम के आचार्य केके शंखधार ने दोनों का विवाह कराया। विवाह से पहले आचार्य ने दोनों के बालिग होने के प्रमाणपत्र देखे। रजिया का धर्म परिवर्तन कराया गया। रजिया का नया नाम गौरी देवी रखा गया है। रजिया ने बताया कि वह और तोताराम करीब चार साल पहले मिले थे। दोनों ही राजस्थान के जयपुर जिले में एक ईंट भट्ठे पर काम करते थे। पहले दोनों में दोस्ती हुई। एक-दूसरे के फोन नंबर ले लिए। फिर बातचीत होने लगी। यह दोस्ती प्यार में बदल गई। इसके बाद दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खा लीं।

रसोइयों को सीएम योगी का तोहफाः बोले- 2027 में बबुआ का सूपड़ा साफ;'आप' को बताया दुश्मन, सावधान रहने की सलाह

यूपी में 3.53 लाख रसोइयों को योगी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया। मानदेय बढ़ाने के साथ अब कैशलेस इलाज की भी सुविधा दी गई है।यूपी में पीएम पोषण के तहत परिषदीय व एडेड स्कूलों में कार्यरत 3.53 लाख रसोइयों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच से 11 रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड दिया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से 1500 रसोइयों की सहभागिता रही। जिला व तहसील स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित करके जनप्रतिनिधियों के माध्यम से रसोइयों को सम्मानित किया गया। इससे पहले शनिवार को महानिदेशक, स्कूल शिक्षा मोनिका रानी की ओर से सभी जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि रसोइयां सम्मान समारोह का आयोजन बेहतर ढंग से किया जाए।ब्रजेश पाठक ने देशी अंदाज में रसोइयों से की बात- इस मौके पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अपने देशी अंदाज में कहा कि जिज्जी, बहिनी और बिटिया या बताओ आज तक कौनो मुख्यमंत्री तुम्हार सुधि लिहिस रहै। सब लोग बताओ। आज जानि लेव तुम्हरौ सुधि ले वालौ कोऊ है। आपका मानदेय दुइ हजार से तीन हजार होइगा है। अब अगर बीमारी अजारी आ जाइ तो पांच लाख तक का इलाजौ फिरी होइ।बातों ही बातों में उन्होंने 2027 की भी बात कर ली। कहा कि जैसे स्कूलन में एग्जाम होत हैं, वैसे ही अब हम लोगन का एग्जाम आवै वाला है। तो जैसे सब्जी खरीदत समय ध्यान रखती हौव, गर्मी मा मटकी खरीदत समय पानी भर के ठोंक बजाके देखती हौ, ओही तरह 2027 में सबका ठोंक बजा के देखि लेहो। 2017 से पहिलौ का रहै प्रदेश मा। आज गुंडा माफिया सब गायब हैं।

एहि लिए 2027 मा सब लोग करकराकै वोट दीन्हेव। रसोइयों के लिए चार प्रकार की योजनाएं घोषित- इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि रक्षाबंधन से पहले 3.53 लाख रसोइयों के लिए चार प्रकार की योजनाएं घोषित हो रही हैं। पहली मानदेय बढ़ा। दूसरी दो लाख का दुर्घटना बीमा।तीसरी पांच लाख तक के कैशलेज इलाज की सुविधा। चौथी ड्रेस खरीदने के लिए मिलने वाला पैसा दोगुना किया गया, यानी साड़ी खरीदने के लिए राशि 500 से एक हजार कर दी गई है। सोइयों के लिए सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था नहीं थी। अब एसबीआई में हम खाता खुलवाएंगे। उसी में मानदेय जाएगा। साथ ही किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर दो लाख की मदद भी मिल जाएगी। पहले ऐसा नहीं था। आप लोग खाना बनाकर देश के बचपन को स्वस्थ बनाते हैं, लेकिन आपके स्वास्थ्य की चिंता किसी को नहीं थी। पहले लकड़ी में खाना बनता था। अब सौ फीसदी रसोई गैस में खाना बनता है। यानी आपके स्वास्थ्य का ध्यान रखा गया। इसके अलावा यदि आपके परिवार में कोई बीमार होता है, तो आप किसी भी इंपैनल्ड अस्पताल में जाकर हर साल पांच लाख तक का इलाज फ्री करा सकते हैं। पहले गरीब का बच्चा नंगे पैर स्कूल जाने को मजबूर था- सपा मुखिया अखिलेश यादव को निशाने पर लेते हुए कहा कि आज बबुआ ने एक बयान दिया है। अगली बार लोग सपा को साफ कर देंगे। इन लोगों ने प्रदेश को गुंडा प्रदेश बना दिया था। आज यदि कोई किसी बेटी को छेड़ता है, तो मानकर चलिए उसका यमराज के पास जाने का समय फिक्स हो चुका है।

संपादकीय Editorial

Reduction of Officers

If the government is changing the parameters of the system to control its size, it must be viewed from the perspective of administrative reforms. The burden of many unnecessary positions, or positions, from bureaucracy to bureaucracy is directly impacting the budget, so this decision will certainly change thinking. Previously, the Dhumal government reduced the sanctioned posts of IAS officers, and now the Sukhu government is reducing the number from 153 to 130 IAS officers. Additionally, the number of IPS and IFS officers is also being considered. The government estimates that reducing officers from the Indian Administrative Service will save 200 crore rupees. The Chief Minister's second attempt to reduce job rankings is being made within the HRTC structure. The Chief Minister has directed the creation of a depot-wise structure for positions and postings, under which not every depot in-charge will be an RM-level officer. Of course, this will be based on the depot's ranking, resulting in fewer officers. We believe that some depots in the state should be reduced. Some of these depots should be converted to electric power. The average number of buses in some bus depots is not adequate. For example, after Jogindernagar, Baijnath, Palampur, and Nagrota Bagwan, all in the same direction, the rationale for opening an electric bus depot in Kangra is beyond comprehension. If bus depots are established at distances of only twenty kilometers or less, the deficit picture will be beyond comprehension. Unnecessary positions in many state departments are merely adding to the budgetary burden, and therefore, they should be screened. Furthermore, some senior officers are merely garbled in Shimla. In the police department's structure, certain positions related to crime control and management should be relocated across the state. Similarly, departments should be shifted based on the importance of certain cities in Himachal's classification. For example, financial institutions should be relocated to BBN, as the economic capital. The Agriculture Department's Directorate should be located near the Agricultural University, Palampur, while the respective department's headquarters should be located near the Horticulture University. If the School Education Board relocates its Education Department headquarters near Dharamshala, it will enhance the educational environment. Along with measures to reduce the number of vehicles carrying government expenses, vehicle pooling can also be implemented, such as the use of helicopter services. Creating a common pool of electric vehicles for transportation between residential areas and government offices will save on costs and environmental damage. To ensure that bureaucratic addresses from Shimla to major cities of the state do not become a source of wasteful expenditure, every department must set targets. The Virbhadra government once considered appointing MBAs for departmental management, but this arrangement was not implemented. A major reason for the success of private schools is the application of MBA tools to management. Himachal's public institutions, hospitals, and major schools and colleges should provide MBA degree holders with managerial opportunities as product managers or financial managers. Various positions need to be created for those with MBA skills in the urban system. To strengthen the temple system, a central trust or temple development authority should be formed to develop an independent, permanent cadre.

Rising Sugar Prices

The government has blamed bad weather and international prices for the rising sugar prices, while the opposition is blaming the ethanol policy. Sugar prices have risen 40% in two months. The government cited bad weather and low production as the reasons. The impact of the ethanol policy needs to be reconsidered. It would have been better if the government had taken cognizance of rising sugar prices when they began to rise. It cannot be ignored that sugar prices have increased by approximately 40% in the past two months. The government has attributed this to damage to the sugarcane crop due to bad weather, resulting in a decrease in domestic sugar production, and an increase in sugar prices in the international market. It has categorically denied that this is due to ethanol adulteration in petrol. According to the government, the share of sugar used for ethanol has decreased. It also clarified that approximately three-quarters of the ethanol produced in the country comes from grains, especially maize. Despite all this, it should have realized that the demand for sugar would increase due to the festive season, and hoarders could take advantage of this. It should be noted that once prices of any essential commodity begin to rise, it's impossible to stop them immediately. It remains to be seen whether the government's measures to curb rising sugar prices, such as importing 1 million tons of sugar, setting storage limits for dealers, and taking action against hoarders, are yielding the desired results.

Although the government clarified that the ethanol policy is not the cause of the sugar price rise, opposition political parties are determined to prove this. They gained this opportunity because the government itself admitted that ethanol-blended petrol reduces vehicle mileage. The way the government highlighted that the ethanol policy has benefited the sugar industry, improving the financial condition of sugar mills, and facilitating the resolution of payment problems to sugarcane farmers, suggests that it will not reconsider its policy.

Even if it's assumed that the ethanol policy isn't the cause of rising sugar prices, it's impossible to ignore that E-20 fuel has become a controversial issue. It's true that the ethanol policy has been successful in saving foreign exchange spent on petroleum imports, but it's time to reconsider this policy and assess how effective the foreign exchange savings are overall. important to consider whether the ethanol policy will pose a threat to food security. It should also be assessed whether E-20 fuel is helping to protect the environment.

The Himalayas repeatedly warn

The frequent tunnel accidents in the Himalayas have exposed the negligence and geological oversight of construction agencies. The frequent tunnel accidents in the Himalayas have resulted in the loss of life and property. Geological oversight and neglect of safety standards in construction are evident. Independent safety audits and policy changes are needed. To transform the inaccessibility of the Himalayas into a blessing, roads, railway lines, power plants, and tunnels are being constructed by ripping them apart. All this seems necessary, but when we imagine the immediate and long-term consequences of this wanton interference with nature, it is horrifying. This year, at the site of the Silkarya tunnel accident, which held the world's breath for 17 days in 2023, a worker was killed by falling concrete.

While the debate over this accident was ongoing, on July 20, a methane gas explosion and collapse of a section of the tunnel at the Teesta Stage-6 project in Sikkim killed 25 workers. The reverberations of this horrific accident had barely subsided when another major accident occurred in the tunnel of the Vishnugad-Pipalkoti Hydroelectric Project in Chamoli district, Uttarakhand, killing eight workers. The immediate cause of this accident was the sudden collapse of a section of the tunnel and the resulting flood of debris-laden water.

The series of accidents in the Himalayan region not only points to the administrative and construction agencies' disregard for human life, but also raises questions about the Himalayan geology and the success of tunnel engineering in the mountains. The latest accident is not merely the failure of a single project or construction site. It reflects the growing tension between the rapid infrastructure construction across the entire Himalayan region and the complex geological conditions there.

The question is: are we building tunnels with an understanding of the nature of the Himalayas, or are we simply pushing the mountains against their fundamental structure to meet the deadlines of our development plans? The repeated occurrence of accidents proves that we have not learned any lessons from the past.

Minor failures at any construction site are actually early warnings of future major disasters. If these warnings are not used as an opportunity to improve safety, accidents are simply waiting to happen.

From a geological perspective, building a tunnel in the Himalayas is no simple field engineering task. The Himalayas are one of the youngest mountain systems in the world and are still in constant geological motion. The rocks here are fractured and riddled with cracks in many places.

Did those who prepared the detailed project report for the Vishnugad-Pipalkoti project not have the basic knowledge that the water stored in the form of snow in the Himalayas percolates and creates a vast and extensive groundwater system within the mountain? A few years ago, a massive water leak in the tunnel of the Tapovan-Vishnugad Hydroelectric Project, located in the same region, also caused serious concern. Such a groundwater leak is not just an unexpected hazard, but a major, permanent damage to the environment and ecosystem of the region.

When tunnels disrupt centuries-old internal groundwater systems, vast areas face severe water scarcity. While the human and economic losses of the Pipalkoti disaster will surely be assessed, no one will be able to compensate for the long-term environmental damage. It is a mistake in modern engineering to assume the ground visible on top of a mountain and the geological structure beneath it are the same. The rock visible just a few meters ahead of a tunnel is not the same. Groundwater can change its course, and the rock's strength can suddenly diminish. Tunnel plans are not simply prepared before construction begins, but must be constantly updated to adapt to the actual geological conditions encountered during excavation. Simply applying a layer of concrete when weak rock is encountered during tunnel construction is not enough. Stopping work upon detecting danger signals is not a failure of a project, but a testament to skilled engineering.

Unfortunately, in our country, there is a race to complete projects on time and keep costs contained, but mountains are not governed by deadlines, nor are natural rocks subject to contract terms. Therefore, an independent and rigorous safety audit system is essential for Himalayan tunnels. More important than conducting post-accident inspections is regular, impartial inspections by external geologists during construction. The Silkara experience demonstrates that while technology in rescue operations has advanced, a nation's strength lies in preventing accidents. The Himalayas are repeatedly warning us.

The question isn't when the next accident will occur, but when will we change our policies and systems? The opening of a tunnel brings light and celebrates development, but behind that light lies the untold sacrifices of laborers. If the same darkness continues to become their grave again and again, we will have to rethink the very definition of development.

मानदेय बढ़ने से परिषदीय स्कूलों की रसोइयों के खिले चेहरे, अब मिलेंगे तीन हजार रुपये

मुरादाबाद- परिषदीय स्कूलों की रसोइयों (भोजन माता) का मानदेय 2000 से बढ़ाकर तीन हजार रुपये कर दिया गया है। इस अवसर पर रविवार को कलक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिसमें लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी लोगों ने टीवी स्क्रीन पर देखा। कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य गोपाल अंजान, जिलाधिकारी डा. राजेंद्र पैंसिया, मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी के अलावा विभिन्न स्कूलों में कार्यरत रसोइया मौजूद रहीं। मानदेय बढ़ने का लाभ जिले की परिषदीय विद्यालयों की 3404 रसोइयों को मिलेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के द्वारा रसोइयों का मानदेय दो हजार रुपये से बढ़ाकर तीन हजार रुपये कर दिया गया है।

इसके अलावा उन्हें दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा का भी लाभ दिया जाएगा। एसबीआई में उनका बैंक खाता खोला जाएगा।एमएलसी गोपाल अंजान ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रसोइया बहनों के आर्थिक, चिकित्सीय विकास और सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण घोषणा की है। रसोइयों के मानदेय में एक हजार रुपये की वृद्धि कर दो से तीन हजार रुपये करने की घोषणा उनके जीवन को बेहतर बनाएगी। उनके परिधान की धनराशि भी पांच सौ से बढ़ाकर सरकार ने एक हजार रुपये कर दिया है। दो लाख रुपये का बीमा कवर भी मिलेगा। इन घोषणाओं से रसोइयों का जीवन स्तर सुधरेगा साथ ही सामाजिक बदलाव भी आएगा।

शिक्षक ने किया कत्ल: पत्नी को फावड़े से काटा, आपसी मनमुटाव ने उजड़ गया परिवार, ललित हुआ बेसहारा

यूपी के अमरोहा में शिक्षक ने पत्नी की गर्दन पर फावड़े से वार कर हत्या कर दी। आरोपी गांव के प्रशासक का भाई है। कई दिनों से पति-पत्नी में विवाद चल रहा था। मौके से हत्या में प्रयुक्त फावड़ा बरामद कर लिया गया है। अमरोहा में पति-पत्नी के विवाद में देहात थाना क्षेत्र के डाईडेरा गांव में शनिवार शाम एक शिक्षक ने पत्नी के गर्दन पर फावड़े से वार कर हत्या कर दी। आरोपी गांव के प्रशासक का भाई है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने हत्या में प्रयोग किए गए फावड़े को भी बरामद कर लिया है।प्रशासक सत्यप्रकाश सिंह का भाई रामौतार सिंह शहर के एक निजी स्कूल में शिक्षक है। उसकी शादी 1999 में रुबी (45) से हुई थी। पुलिस के अनुसार दोनों के बीच पिछले कई दिनों से विवाद चल रहा था। अक्सर कहासुनी भी होती थी। दो दिन पहले पत्नी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद वह घर से चला गया था। शनिवार सुबह इकलौते बेटे ललित कुमार व भतीजे टिंकू के साथ अन्य परिजन उसे खोजकर घर ले आए। इसके बाद दोनों परीक्षा देने के लिए अलीगढ़ चले गए। परिजन अपने काम में लग गए।इसी बीच शाम सात बजे पति-पत्नी दोनों के बीच फिर विवाद शुरू हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि आरोपी ने आपा खोते हुए पत्नी के गर्दन पर फावड़ा से वार कर दिया। पत्नी ने बचाव का प्रयास किया तो उसके हाथ में भी चोटें आईं। हमले में घायल पत्नी की कुछ देर बाद मौत हो गई।

सूचना पर ग्रामीण व मायके के लोग पहुंच गए। मायके वालों ने हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाकर उन्हें शांत कराया। इस बीच एएसपी अखिलेश भदौरिया और सीओ अवधभान भदौरिया ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसपी लखन सिंह यादव के निर्देश पर फोरेंसिक और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। आपसी मनमुटाव ने उजड़ गया परिवार, मां की मौत और पिता की गिरफ्तारी से ललित बेसहारा- पति-पत्नी के बीच लंबे समय से चल रहे आपसी मनमुटाव ने आखिरकार परिवार को पूरी तरह बिखेर दिया। डाईडेरा गांव निवासी रामौतार सिंह और उसकी पत्नी रूबी के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि रामौतार ने फावड़े से हमला कर रूबी की जान ले ली। वारदात के बाद रामौतार सलाखों के पीछे पहुंच जाएगा, जबकि परिवार का इकलौता बेटा ललित कुमार माता-पिता दोनों से दूर हो गया।रामौतार और ग्राम प्रधान/प्रशासक सत्य प्रकाश सिंह सगे भाई हैं, लेकिन दोनों अपने-अपने परिवार के साथ अलग रहते हैं। घटना के बाद सत्य प्रकाश सिंह भी बेहद दुखी हैं। उन्हें अब अपने भतीजे ललित के भविष्य की चिंता सता रही है। एक तरफ मां की मौत का सदमा और दूसरी ओर पिता की गिरफ्तारी से ललित के सामने मुश्किल हालात खड़े हो गए हैं। घटना ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। मायके वालों ने किया हंगामा, पुलिस ने संभाली स्थिति- रूबी की हत्या की सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग डाईडेरा गांव पहुंच गए। आक्रोशित परिजनों ने मौके पर हंगामा शुरू कर दिया और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी रामौतार को पकड़कर थाने ले आई। अधिकारियों ने परिजनों को निष्पक्ष जांच और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया, जिसके बाद मामला शांत हुआ।रामौतार ने पत्नी रूबी की गर्दन पर फावड़े से वार कर हत्या कर दी है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना में प्रयुक्त फावड़ा भी मौके से बरामद कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। - अवधभान भदौरिया, सीओ नौगावां सादात

मुरादाबाद में पक्की दोस्ती का खौफनाक अंत, पैसे मांगने पर दोस्त की हत्या, खेत में मिला शव

मुरादाबाद में उधारी के पैसों को लेकर हुए विवाद में एक दोस्त ने दूसरे दोस्त जॉनी की हत्या कर दी। शहनवाज ने जॉनी को ठाकुरद्वारा बुलाकर वारदात को अंजाम दिया और शव गन्ने के खेत में फेंक दिया, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है।उधारी के पैसों को लेकर दोस्त ने दोस्त की हत्या की। शव ठाकुरद्वारा के गन्ने के खेत में मिला, पुलिस जांच जारी। उधारी की रकम देने के बहाने एक युवक ने अपने दोस्त को ठाकुरद्वारा बुलाया जहां युवक की हत्या कर शब को गन्ने के खेत में फेंकने की घटना से पुलिस महत्व में हड़कंप मच गया, थाना ठाकुरद्वारा वार्ड नंबर 19 मोहल्ला बहेड़ा वाला निवासी शाहनवाज का आना जाना डिलारी क्षेत्र गांव बुधनपुर निवासी जॉनी के घर था दोनों में दोस्ती पक्की थी एक साथ मजदूरी करने के लिए जाते थे। मृतक के भाई के अनुसार जॉनी ने शाहनवाज को रकम उधार में दी थी, जिसके लेनदेन को लेकर दोनों में अंदरूनी विवाद बढ़ गया, और शाहनवाज ने जॉनी को जान से मारने की नियत अपने मन में ठान ली, घटना 16 अगस्त सुबह 10ः00 की है जॉनी फोन पर बात करता हुआ घर से निकला था देर शाम तक घर वापस न आने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई और इधर-उधर तलाशना शुरू कर दिया फोन पर बात करने की कोशिश की गई लेकिन स्विच ऑफ हो गया।

17 अगस्त को मृतक की मां संतोष देवी ने थाना डिलारी में गुमशुदगी दर्ज कराई, 18 अगस्त को थाना ठाकुरद्वारा क्षेत्र के गांव रामू वाला गणेश, हाईवे ब्रिज के पास गन्ने के खेत में शव क्षतिग्रस्त हालात मे मिला। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखा, लाश के पास रखे चप्पल पुलिस ने कब्जे में ले लिए पुलिस ने चप्पल मृतक के परिजनों को दिखाए जिसकी परिजनों चप्पलों से शिनाख्त कर ली, 22 अगस्त को शब का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया, मृतक के भाई ललित कुमार ने थाना डिलारी को नामजद तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की।मृतक के परिजनों ने थाने का घेराव कर हंगामा किया जिस पर पुलिस ने शहनवाज को हिरासत में ले लिया है, थाना प्रभारी डिलारी विजेंद्र कुमार ने बताया कि दोनों का आपस में पैसों का लेन देन को लेकर विवाद था हत्या के मामले के संबंध में हिरासत में लिए गए युवक से कड़ाई के साथ पूछताछ की जा रही है, युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया, शव को मोर्चरी से निकालने के बाद गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार किया गया।

मुनाफे के खेल में सेहत पर वार: दूध की धार में पानी की भरमार, मुरादाबाद में 29 में 18 नमूने फेल, फैट भी कम

मुरादाबाद में दूध में बड़े पैमाने पर पानी मिलावट का खुलासा हुआ है। अप्रैल से जुलाई तक खाद्य विभाग ने 42 नमूने लिए, जिनमें 29 की रिपोर्ट आई और 18 नमूने फेल मिले। जांच में दूध में पानी की मिलावट के साथ फैट की मात्रा भी कम पाई गई। कुछ नमूनों में आधा लीटर दूध में 300 ग्राम तक पानी मिला मिला। विभाग अब दोषी दूध विक्रेताओं के खिलाफ वाद दायर करने की तैयारी कर रहा है। मुरादाबाद जिले में घरों तक पहुंचने से पहले दूध की जान निकाल ली जा रही है। पहले मशीनों पर उसका फैट निकाल लिया जाता है और फिर इतना पानी मिला देते हैं कि उसमें दूध जैसा कुछ बचता ही नहीं। प्रयोगशाला से जारी रिपोर्ट ने इसका खुलासा किया है। शहर में जगह-जगह दूध की डेयरियों से लिए गए 29 नमूनों की आई रिपोर्ट में 18 में पानी मिला है।

मिलावट का गणित इस तरह समझिए कि आधा लीटर दूध में 300 ग्राम तक पानी निकला। दुग्ध संघ मुरादाबाद के मुताबिक जिले में रोजाना करीब 12 लाख लीटर दूध का उत्पादन होता है। इसमें करीब सात लाख लीटर दूध डेयरियों पर जाता है। गर्मियों में कुल उत्पादन घटकर करीब नौ लाख लीटर हो जाता है।जिले की अनुमानित आबादी करीब 37 लाख है। आंकड़ों के मुताबिक एक व्यक्ति को करीब 460 मिलीमीटर दूध की जरूरत पड़ती है। इस हिसाब से जिले को रोजाना 17.20 लाख लीटर दूध की जरूरत है। कुल उत्पादन का करीब 60 फीसदी (सात लाख लीटर) दूध पशु पालक डेयरियों को बेच देते हैं।इससे पनीर, मावा, दूध की मिठाई समेत अन्य उत्पाद बनाए जाते हैं। ऐसे में घरों में सप्लाई के लिए दूध कम पड़ जाता है। प्रयोगशाला से जारी रिपोर्ट साफ कर रही है कि पानी मिलाकर मांग और आपूर्ति के अंतर को पाटा जा रहा है। अप्रैल से जुलाई तक चार महीने में खाद्य विभाग की टीम ने दुकानों पर छापा मारकर दूध के कुल 42 सैंपल भरे। बनारस और लखनऊ लेबोरेटरी से 29 नमूनों की रिपोर्ट आई। इसमें से दूध के 18 नमूने फेल मिले। जबकि अभी 13 नमूनों की रिपोर्ट आनी बाकी है। विभाग के मुताबिक रिपोर्ट में दूध में पानी मिला पाया गया है।

इसके अलावा फैट की मात्रा भी कम पाई गई। विभाग दूध विक्रेताओं क खिलाफ वाद दायर करने की तैयारी में है।

जरूरत से ज्यादा सफेद और मुलायम तो पनीर में मिलावट- मंडलीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी कृष्ण गोपाल यादव का कहना है कि अगर पनीर जरूरत से ज्यादा सफेद और अधिक मुलायम है तो पनीर मिलावटी हो सकता है। क्योंकि दूध से बना पनीर दूध से ज्यादा सफेद नहीं हो सकता है। फैट निकालने के बाद पनीर थोड़ा सख्त हो जाता है। अधिक सफेद दिखाने और साफ्ट करने के लिए रीफाइन, वेजिटेबल ऑयल, पाउडर, टीनोपाल का इस्तेमाल करते हैं।

बच्चों के विकास व वजन पर पड़ता है असर- बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. शलभ अग्रवाल का कहना है कि मिलावट बड़ी समस्या है। अगर दूध में पानी मिला है तो बच्चों को पिलाने से कोई फायदा नहीं है। इससे बच्चों के विकास और वजन पर असर पड़ता है। बच्चा कुपोषित भी हो सकता है। इसलिए सिर्फ दूधर के भरोसे न रहे। दो साल तक बच्चों को मां का ही दूध पिलाएं।

लैक्टोमीटर टेस्ट (पानी की जांच)-गाय के दूध की रीडिंग 28-32 के बीच होती है और भैंस के दूध की 30-34 के बीच होती है। जैसे ही पानी मिलता है, घनत्व गिरता है और रीडिंग इन नंबरों से नीचे चली जाती है।

स्लोप टेस्ट (बिना किसी चीज के जांच) ये 10 सेकंड का टेस्ट किसी भी चिकनी सतह पर हो जाता है। दूध की एक बूंद लें और साफ, चमकदार तिरछी सतह पर रखें। शुद्ध दूध धीरे-धीरे बहता है और पीछे सफेद निशान छोड़ता है। मिलावटी दूध फटाफट बह जाता है, कोई निशान नहीं छोड़ता।

स्टार्च की जांच- चावल का पानी, मैदा, अरारोट से पतले दूध को गाढ़ा दिखाया जाता है। त्योहारों के वक्त, जब पनीर-खोया की मांग बढ़ती है, ये मिलावट ज्यादा होती है।

छोटे बर्तन में 5 मिलीलीटर दूध उबालें और ठंडा करें। आयोडीन की दो-तीन बूंदें डालें। अगर दूध नीला या गहरा नीला हो जाए तो स्टार्च है। शुद्ध दूध पीला-भूरा रहता है।

डिटर्जेंट और सिंथेटिक दूध की जांच- साफ बोतल या गिलास में पांच मिलीलीटर दूध लें। उतना ही पानी मिलाएं। 20 सेकंड जोर से हिलाएं। शुद्ध दूध थोड़ा सा झाग बनाता है जो जल्दी खत्म हो जाता है। डिटर्जेंट वाले में घना, देर तक टिकने वाला झाग बनता है। जैसे साबुन पानी में बनता है।एक नजर जिले के आंकड़ों पर- जिले में पशुओं की कुल संख्या करीब चार लाख दुधारू पशुओं (गाय-भैंस) की संख्या 2.50 लाख जिले में दूध का कुल उत्पादन 12 लाख लीटर गर्मियों में दूध का उत्पादन 9 से 10 लाख लीटर जिले की कुल अनुमानित आबादी 37 लाख प्रति व्यक्ति प्रति दिन 460 मिली दूध की आवश्यकता जांच में दूध के 18 नमूने लैब के मानकों पर खरे नहीं उतरे। अधोमानक पाए गए। दूध विक्रेताओं के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी। - राजवंश प्रकाश श्रीवास्तव, सहायक आयुक्त खाद्य

संक्षिप्त समाचार

मेरठ जेल में गूंज रहे प्यार और जुदाई के नगमे, 'रेडियो परवाज' बना बंदियों का साथी

जेल की बैरकों में सुबह-शाम बजते हैं बंदियों की पसंद के गीत, पुरुषों को पुराने प्यार और बेवफाई के नगमे पसंद, महिला बंदियों की फरमाइश में मां और परिवार से जुड़े गीतऊंची दीवारों और लोहे की सलाखों के बीच जिंदगी बिता रहे मेरठ जिला जेल के बंदियों के लिए संगीत अब मनोरंजन के साथ भावनाओं को व्यक्त करने का जरिया भी बन गया है। करीब तीन महीने पहले शुरू हुआ 'रेडियो परवाज' बंदियों के बीच खासा लोकप्रिय हो रहा है। यहां सबसे ज्यादा फरमाइश प्यार, जुदाई और बेवफाई से जुड़े पुराने फिल्मी गीतों की आ रही है। 8 मई से शुरू हुआ 'रेडियो परवाज'- जेल में 8 मई को 'रेडियो परवाज' की शुरुआत हुई थी। इसके जरिए रोजाना बंदियों की पसंद के गीत प्रसारित किए जाते हैं। मेरठ के वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा के मुताबिक, जेल प्रशासन ने रेडियो स्टेशन के लिए जगह उपलब्ध कराई, जबकि इंडिया विजन फाउंडेशन ने इसका पूरा तंत्र तैयार किया।बंदी एक दिन पहले पर्ची के जरिए अपनी पसंद के गीत की फरमाइश करते हैं। अगले दिन उस गीत को रेडियो पर बजाया जाता है। फरमाइश के दौरान बंदी का नाम नहीं लिया जाता, बल्कि केवल उसकी बैरक संख्या बताई जाती है। 70 से 90 के दशक के गानों की सबसे ज्यादा मांग- रेडियो पर सबसे अधिक फरमाइश 1970, 1980 और 1990 के दशक के फिल्मी गीतों की आ रही है। पुरुष बंदी प्रेम, जुदाई और बेवफाई से जुड़े गीतों के अलावा भक्ति और जिंदगी की परिस्थितियों पर आधारित पुराने गाने भी सुनना पसंद करते हैं। महिला बंदियों की पसंद में भी प्यार और दर्द भरे गीत शामिल हैं, लेकिन उनकी फरमाइश में मां, बच्चों और परिवार से जुड़े गीतों की मांग अधिक रहती है। 1,900 पुरुष और 63 महिला बंदी- मेरठ जिला जेल में करीब 1,900 पुरुष और 63 महिला बंदी हैं। जेल अधीक्षक के अनुसार, रेडियो सेवा शुरू होने के बाद बंदियों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। रोजाना अलग-अलग बैरकों से गीतों की फरमाइश आती है। उन्होंने कहा कि संगीत और सकारात्मक माहौल बंदियों का मानसिक तनाव कम करने के साथ उनके सुधार और पुनर्वास में भी मददगार हो सकता है। जेल में बना पूरा रेडियो सेटअप-'रेडियो परवाज' के लिए जेल के भीतर कंप्यूटर, मिक्सर, आधुनिक स्पीकर और 'सारेगामा कारवां' समेत कई उपकरण लगाए गए हैं। जेल की सभी बैरकों में स्पीकर लगाए गए हैं। रेडियो का प्रसारण सुबह और शाम करीब दो-दो घंटे किया जाता है। खास बात यह है कि रेडियो जॉकी यानी आरजे की जिम्मेदारी भी एक बंदी संभाल रहा है। उसे इंडिया विजन फाउंडेशन की ओर से इसके लिए प्रशिक्षण दिया गया है। बंदियों को अपनी आवाज में गाने का भी मौका- रेडियो परवाज सिर्फ गाने सुनाने तक सीमित नहीं है। इच्छुक बंदियों को स्टूडियो में जाकर अपनी आवाज में गीत गाने का अवसर भी दिया जाता है। इस तरह रेडियो बंदियों के लिए अपनी रचनात्मकता और भावनाओं को व्यक्त करने का मंच भी बन रहा है। यूपी की 11 जेलों में चल रहे रेडियो केंद्र- इंडिया विजन फाउंडेशन के अनुसार, उत्तर प्रदेश की जेलों में 'रेडियो परवाज' के 11 केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इनमें आगरा जिला जेल, आगरा केंद्रीय जेल, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, मुरादाबाद, वाराणसी केंद्रीय जेल, आजमगढ़, मेरठ, सहारनपुर और लखनऊ की जिला जेल शामिल हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

रहपुरा रोड पर बेहोश मिली महिला की हुई शिनाख्त, बच्चे को साथ लेकर आई थी

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। रहपुरा रोड किनारे शनिवार सुबह जंगल में बेहोशी की हालत में मिली महिला की पुलिस ने शिनाख्त कर ली है। महिला की पहचान सुमन पत्नी परबत सिंह यादव, निवासी ग्राम मथुरा डांग, थाना बार, जिला ललितपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार महिला अपने पति को छोड़कर किसी अन्य व्यक्ति के साथ यहां आई थी। बाद में वह व्यक्ति महिला को छोड़कर चला गया। थाना प्रभारी प्रवीन कुमार ने बताया कि महिला ने पुलिस को बताया है कि वह बच्चे को अपने साथ लेकर आई थी और बरामद हुआ बच्चा उसी का है। महिला की हालत अभी पूरी तरह ठीक नहीं है, इसलिए वह घटना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दे पा रही है। पुलिस ने महिला के परिजनों को सूचना दे दी है और उसका पति अस्पताल पहुंच रहा है। आपको बता दें कि शनिवार सुबह रहपुरा रोड किनारे जंगल में महिला बेहोशी की हालत में पड़ी मिली थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। महिला की निगरानी और सुरक्षा के लिए दो महिला कांस्टेबल अस्पताल में तैनात की गई हैं।इससे पहले शुक्रवार रात करीब 11 बजे रहपुरा रोड पर सृजन स्कूल के पास सड़क किनारे पानी से भरे गड्ढे में एक मासूम बच्चा संदिग्ध हालत में पड़ा मिला था। गौतारा निवासी भूपेंद्र गंगवार रात में फतेहगंज पश्चिमी से अपने गांव जा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर गड्ढे में पड़े बच्चे पर पड़ी। उन्होंने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने बच्चे को निकालकर चाइल्ड केयर सेंटर भेज दिया था। शनिवार सुबह बच्चे के मिलने वाले स्थान से करीब 50 मीटर दूर जंगल में महिला के मिलने के बाद पुलिस ने दोनों घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की थी। थाना प्रभारी के अनुसार महिला के बयान से अब स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो गई है। पुलिस महिला के पति के अस्पताल पहुंचने का इंतजार कर रही है। इसके बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नदी को नवजीवन देने की मुहिम का वन मंत्री ने किया शुभारंभ, किनारों पर लगेंगे 5 लाख पौधे

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। नकटिया नदी को नई जिंदगी देने की मुहिम शुरू हो गई है। साफ-सफाई के साथ नदी को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। किनारों पर करीब 5 लाख पौधे लगाए जाएंगे। रविवार को वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने धोपेश्वर नाथ मंदिर के पीछे %नकटिया नदी पुनर्जीवन% मुहिम का शुभारंभ किया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी, शहर के समाजसेवी, पर्यावरण कार्यकर्ता, छात्र-छात्राएं शामिल रहे। सबने मिलकर नकटिया को अविरल और स्वच्छ बनाने का संकल्प दोहाराया है।

धोपेश्वरनाथ मंदिर के पीछे नकटिया नदी बहती है। यह शहर में समा चुका है। लेकिन इस हालत ये है कि जगह-जगह नदी पर अतिक्रमण हो चुका है। नाले-नालियों का गंदा पानी नदी में समा रहा है। कूड़ा-कचड़ा, प्लास्टिक ने नदी का अस्तित्व मिटाकर इसे एक नाले के रूप में ढाल दिया।

देर से ही सही, लेकिन इस बार नकटिया के नव-जवीन को लेकर जोरदार मुहिम शुरू हुई है। उम्मीद है कि यह मुहिम रंग लाएगी और नकटिया अपने पुराने स्वरूप में बहती नजर आएगी।कूड़ा-कचरा होगा बाहर -नकटिया नदी पुनर्जीवन मुहिम के अंतर्गत पहले तो नदी के अंदर का कूड़ा-कचरा निकाला जाएगा। इसमें जमा सैकड़ों कुंतल प्लास्टिक बाहर निकाली जाएगी। इसके बाद इसमें खोदाई होगी। तलहटी को समतल किया जाएगा, ताकि नदी अपने वास्तविक स्वरूप में बह सके। चरणबद्ध तरीके से इस पर काम चलेगा।

वर्मी कंपोस्ट यूनिट शुरू - नकटिया नदी से निकलने वाले कूड़े के निस्तारण के लिए यहां एक वर्मी कंपोस्ट यूनिट स्थापित की गई है। इसमें कचरे से जैविक खाद बनाई जाएगी। कचरा प्रबंधन होने से भविष्य में भी नदी स्वच्छ रहेगी। 5 लाख पौधे लगाए जाएंगे - नदी के किनारों पर करीब 5 लाख पौधे लगाए जाएंगे। दोनों किनारों पर हरियाली होगी। साफ-सफाई को लेकर विस्तृत रूपरेखा तैयार की जा रही है, ताकि एक बार सफाई होने के बाद दोबारा नदी के अस्तित्व पर कोई संकट नहीं आने पाए। नदी बचाने आगे आया समाज - नकटिया नदी की बदहाली पर अब तक सिर्फ बातें होती थीं। लेकिन इस बार काम शुरू हुआ तो शहर के तमाम लोग इसके पक्ष में खड़े हो गए। इसमें सामाजिक संस्थाएं, प्रशासनिक अधिकारी, राजनीतिक शख्सियतें और आमजन शामिल हैं। स्कूल-कॉलेजों का भी भरपूर सहयोग नजर आ रहा है। सामूहिक सहयोग से नदी को पुनर्जीवित किया जाएगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

फर्जी आधार से खुलवाकर साइबर ठगी की करने वाले गिरोह का एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी।फर्जी आधार कार्ड तैयार कर बैंक खाते खुलवाने और उनमें साइबर ठगी की रकम मंगाकर आपस में बांटने वाले गिरोह के एक वांछित आरोपी गांव धनतिया निवासी रफीक को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया। आरोपी जफर को पुलिस ने पहले जेल भेज दिया जबकि ताहिर फरार है। पुलिस के मुताबिक 2 अगस्त को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर हाइवे से थाना बहेड़ी के गांव शेर नगर निवासी जफर को गिरफ्तार किया था।पुलिस पूछताछ में उसने फर्जी आधार कार्ड से खाते खुलवाकर साइबर ठगी की रकम मंगाने का अपराध स्वीकार किया था।उसके पास दर्जनों आधार ,अलग अलग बैंक के एटीएम कार्ड बरामद किये गए थे।उसने अपने गिरोह में रफीक और ताहिर के नाम का खुलासा किया था।पुलिस ने जफर को उसी दिन कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया था।बाकी दोनों को वांछित किया था।रविवार को पुलिस ने धनतिया मोड़ से गांव धनतिया निवासी रफीक को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ के बाद उसे कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया।जबकि धनतिया निवासी तीसरा आरोपी ताहिर फरार है।

सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया रफीक के खिलाफ थाना इज्जतनगर में धोखाधड़ी के कई मुकदमे दर्ज है।तीसरे आरोपी ताहिर को जल्द गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा।

प्रेम विवाह के एक महीने बाद युवक की मौत, पंखे से लटका मिला शव

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सीबीगंज थाना क्षेत्र के नवदिया गांव में रविवार सुबह 28 वर्षीय फैजान का शव फंदे से लटका मिला।

फैजान ने करीब एक माह पहले प्रेम विवाह किया था और निकाह के बाद पत्नी जास्मीन के साथ अलग रह रहा था। पत्नी के मुताबिक प्रेम विवाह के चलते फैजान के परिजन उससे संबंध रखने से इनकार कर रहे थे, जिससे वह तनाव में था। रात में खाना खाने के बाद वह सो गया था। सुबह जास्मीन ने उसे दुपट्टे के सहारे पंखे से लटका देखा और परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने सिर से खून निकलने की बात कहते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होगी। फैजान निजी अस्पताल में वार्ड ब्वॉय था और दो भाइयों व एक बहन में सबसे बड़ा था।

श्रावण के आखिरी सोमवार को लेकर एसपी सिटी मानुष पारिक ने किया मध्य रात्रि निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। मध्य रात्रि पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक ने थाना कोतवाली एवं सुभाषनगर क्षेत्र में कांवड़ मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एसपी सिटी ने विभिन्न स्थानों पर तैनात पुलिसकर्मियों की रात्रि ड्यूटी चेक की और उन्हें पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई, यातायात व्यवस्था सुचारु रखने, प्रभावी रात्रि गश्त तथा संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी के निर्देश दिए। एसपी सिटी के मध्य रात्रि निरीक्षण से कांवड़ मार्ग पर पुलिस की सक्रियता और सुरक्षा व्यवस्था की गंभीरता साफ नजर आई।

भव्य सम्मान समारोह में प्रतिभाशाली छात्र हुए सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। रविवार को कान्ती कपूर सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, इज्जत नगर, बरेली मे छात्राओं को सम्मानित करने हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में कमांडेंट ऑफिसर (21 यू0पी0 बटालियन) कर्नल होशियार सिंह जी, विशिष्ट अतिथि प्रेमा पानू जी (प्रदेश निरीक्षक भा0श्री0वि0प0,उ0प्र0) उपस्थित रहें। कार्यक्रम के अध्यक्षता डा0 विद्योतमा सिंह जी (सह-मंत्री प0 उ0प्र0) ने की। इण्टर में सलोनी कश्यप ने 86.20% एवं हाईस्कूल में अवनी ने 93% अंक प्राप्त करके विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत हुयी। सिद्धि सक्सेना, कोमल कश्यप (हाईस्कूल) और मिताली शर्मा, वृन्दा बाजपेयी(इण्टर) को विद्यालय स्तर पर द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार प्रदान किया गया।

हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की टॉप-टेन एवं विषयवार सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए भी छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसमें विद्यालय की ओर से हाईस्कूल एवं इण्टर की छात्राओं को धनराशि स्वरूप पुरस्कार प्रदान किये गये एवं अन्य छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। पुरस्कारों की श्रृंखला में कई स्मृति पुरस्कार जैसे पुष्पलता स्मृति पुरस्कार, डा0 रश्मि शर्मा जी द्वारा श्रीमती भद्रशीला शर्मा स्मृति पुरस्कार (2500/-रु0), क्षमा टंडन स्मृति पुरस्कार (1100/-रु0), एवं श्रीमती राजकुमारी माहेश्वरी स्मृति पुरस्कार (3000/-रु0), विक्रम अग्रवाल जी द्वारा(1100/-रु0) और मीनाक्षी चन्द्रा जी द्वारा श्रीमती माधुरी देवी अस्थाना स्मृति पुरस्कार (500/-रु0), गृह विज्ञान विषय सर्वाधिक अंक प्राप्त छात्रा(500/-रू0) एवं अजिता सिंह जी द्वारा श्रीमती प्रेमलता जी स्मृति पुरस्कार(1100/-रु0) धनराशि पुरस्कार स्वरूप दिये गयें। पुष्पलता स्मृति पुरस्कार में हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट में प्रथम स्थान उत्तीर्ण छात्राओं को 5000 व 7000 नगद पुरस्कार प्रदान किये गये।

मिशन सेफ फ्यूचर-2.0: स्कूली वाहन चालकों की सेहत और आंखों की जांच, सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में मिशन सेफ फ्यूचर-2.0 के तहत 22 अगस्त 2026 को नैनीताल रोड स्थित सेक्रेड हार्ट्स सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विद्यालयों में संचालित स्कूली वाहनों के वाहन चालकों का चिकित्सकीय टीम द्वारा स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण किया गया। शिविर में विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे स्कूली वाहन चालकों ने निशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण कराया। प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के साथ-साथ वाहन चालकों के स्वास्थ्य पर भी विशेष निगरानी रखना है।जिलाधिकारी के निर्देशों के तहत जनपद में संचालित समस्त स्कूली वाहनों के वाहन चालकों का स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण अनिवार्य रूप से कराया जाना है। इसके लिए परिवहन विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से आगामी दिनों में भी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। प्रशासन का फोकस साफ है- स्कूल जाने वाले बच्चों की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और उन्हें सुरक्षित हाथों में यात्रा का भरोसा मिले।

कमिश्नर ने कांवड़ियों को हेलमेट बांटकर दिया सुरक्षित यात्रा का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर रविवार को बरेली क्लब के सामने सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। मंडलायुक्त शम्भु कुमार की अध्यक्षता में Central U.P. Chambers of Commerce & Industries के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बिना हेलमेट बाइक से यात्रा कर रहे करीब 100 कांवड़ यात्रियों को हेलमेट वितरित किए गए।

मंडलायुक्त ने कहा कि कांवड़ यात्रियों की आस्था के साथ उनकी सुरक्षा भी सर्वोच्च प्राथमिकता है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर पहनें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें, नशे में वाहन न चलाएं और मोबाइल का प्रयोग न करें।संभागीय परिवहन अधिकारी पंकज सिंह ने सुरक्षित यात्रा-सुरक्षित जीवन का संदेश देते हुए अन्य राहगीरों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा का ध्यान रखने की अपील की। यातायात पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा कांवड़ मार्गों पर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

कार्यक्रम में एसपी यातायात मोहम्मद अकमल खान, एआरटीओ वैभव सोती, पीटीओ रमेश प्रजापति, संस्था अध्यक्ष राजीव सिंघल, सचिव शरद अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

फर्जी लाइसेंस नंबर से बिक रहा था पैकेज्ड पानी, खाद्य सुरक्षा विभाग ने फैक्ट्री पर मारा छापा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। अधिकारियों ने लाइनपार फरीदपुर के मोहल्ला सुखदेव पुरम सरसैया रोड स्थित M/s Anupriya Beverages में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के निर्माण एवं बिक्री का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 1000 एमएल और 500 एमएल की पैक्ड पानी की बोतलों पर फर्जी लाइसेंस नंबर अंकित किए जाने का मामला सामने आया। जांच में यह भी पाया गया कि बोतलों पर निर्माता का पूरा पता दर्ज नहीं था और केवल Anupriya Beverages Uttar Pradesh Bareilly लिखा हुआ था। कार्रवाई के दौरान पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर का एक नमूना जांच के लिए संग्रहित कर Food Analyst को भेजा जा रहा है। मौके पर तैयार 3,915 बोतलों, जिनकी कुल कीमत करीब 48,060 रुपये, को सीज कर खाद्य कारोबारकर्ता की सुपुर्दगी/अभिरक्षा में दिया गया। प्रशासन ने पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर भरने वाली मशीन के नोजल को भी सील कर दिया, ताकि जांच पूरी होने तक निर्माण इकाई में किसी भी प्रकार के पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर का उत्पादन न हो सके। यह कार्रवाई आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ.प्र. लखनऊ एवं जिलाधिकारी बरेली के निर्देशों के क्रम में सहायक आयुक्त (खाद्य)-II राहुल सिंह के नेतृत्व में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय गोयल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश कुमार शुक्ला एवं इन्द्रजीत सिंह की टीम द्वारा की गई।

बारावफात जुलूस को लेकर ट्रैफिक अलर्ट, 25 अगस्त शाम से डायवर्जन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बारावफात और जुलूस-ए-शराफत मियां के मद्देनजर यातायात पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। 25 अगस्त शाम छह बजे से 26 अगस्त को कार्यक्रम समाप्त होने तक भारी वाहनों और रोडवेज बसों का डायवर्जन लागू रहेगा। मिनी बाईपास, इज्जतनगर, डेलापीर, ईसाइयों की पुलिया, वियावान कोठी, ऑफिसर्स मेस, सैटेलाइट तिराहा और रामगंगा तिराहा समेत कई मार्गों पर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। दिल्ली, रामपुर, नैनीताल और पीलीभीत से आने वाले वाहनों को बड़े बाईपास और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से गुजारा जाएगा।रोडवेज बसों के लिए भी 100 फुटा रोड, सुरेश शर्मा नगर और सैटेलाइट बस स्टैंड का वैकल्पिक मार्ग तय किया गया है। भीड़ बढ़ने पर चारपहिया, ऑटो और ई-रिक्शा के मार्गों में भी प्रतिबंध लगाया जा सकता है। एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खां ने लोगों से एडवाइजरी का पालन कर वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की है।

फायरिंग और मारपीट के मामले में शाही पुलिस का शिकंजा, चार गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। थाना शाही क्षेत्र में मेडिकल स्टोर पर मारपीट, तोड़फोड़ और घर में घुसकर हमला करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक विवाद के दौरान जान से मारने की नीयत से फायरिंग भी की गई थी, जिसमें परिवार बाल-बाल बच गया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम कनूनगला के पास से सईद को एक तमंचा 315 बोर व दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। इसके अलावा सोना, तबस्सुम और नाजरा को भी दबिश देकर गिरफ्तार किया गया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में आयुध अधिनियम की धारा 3/25 की बढ़ोतरी की गई है। चारों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है, जबकि फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों द्वारा प्रयास जारी हैं। पुलिस ने एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस और तीन बांस के डंडे बरामद किए ।

श्री जंगली नाथ मंदिर में भव्य भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

क्यूँ न लिखूँ सच / बहराइच। नानपारा थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध श्री जंगली नाथ मंदिर में बलहा विधायक प्रतिनिधि आलोक जिंदल द्वारा भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं एवं भक्तों ने बाबा भोलेनाथ के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखने को मिली। भक्तों ने श्रद्धा और आस्था के साथ बाबा जंगलीनाथ के दर्शन किए और भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर आयोजकों के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर मटेरा क्षेत्र से आयुष अग्रवाल, अमरीश मित्तल एवं अमरीक सिंह सहित क्षेत्र के कई सम्मानित लोग मौजूद रहे। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा और प्रसाद वितरण का सिलसिला चलता रहा।श्रद्धालुओं ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों से आपसी भाईचारा और सेवा की भावना को बढ़ावा मिलता है। भंडारे का आयोजन शांतिपूर्ण एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

योगशाला के विस्तार का भरोसा, पालिकाध्यक्ष रघुराज सिंह यादव का हुआ अभिनंदन

बिलारी। सावन के पवित्र मास में नगर पालिका परिषद बिलारी के अध्यक्ष रघुराज सिंह यादव के योगशाला पहुंचने पर योग परिवार संगठन की ओर से उनका अभिनंदन किया गया।

इस दौरान उन्होंने योग साधकों से मुलाकात कर योग एवं स्वास्थ्य के महत्व पर चर्चा की।

पालिकाध्यक्ष रघुराज सिंह यादव ने सभी योग साधकों को भगवान भोले शंकर के भंडारे का निमंत्रण दिया त

था नई तहसील में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सभी से सहभागिता करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि योग को नियमित जीवन का हिस्सा बनाकर व्यक्ति स्वयं को स्वस्थ और निरोग रख सकता है।उन्होंने योग साधकों को भरोसा दिलाया कि आगामी दिसंबर माह तक योगशाला के विस्तार का कार्य कराया जाएगा, जिससे बिलारी नगर के अधिक से अधिक निवासी योगशाला का लाभ लेकर योग के माध्यम से अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकें। इस अवसर पर योग परिवार संगठन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में योग साधक मौजूद रहे।

पुष्पवर्षा और भंडारे के साथ कांवड़ियों का स्वागत

बिलारी । सावन के अंतिम सोमवार से पूर्व हरिद्वार और ब्रजघाट से पवित्र गंगाजल लेकर बड़ी संख्या में कांवड़ियों के जत्थे हाईवे से होकर गुजरे। इस दौरान सपा विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान और सपा जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। शिवभक्तों के लिए भंडारे का आयोजन कर भोजन, जलपान एवं अन्य सेवा की व्यवस्थाएं भी की गईं। कांवड़ियों के जत्थों पर पुष्पवर्षा होते ही वातावरण भक्तिमय हो गया। भंडारे में कांवड़ियों ने प्रसाद ग्रहण किया। बड़ी संख्या में शिवभक्तों के हाईवे से गुजरने के चलते क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का माहौल नजर आया। स्थानीय लोगों और सपा कार्यकर्ताओं ने भी

कांवड़ियों की सेवा में बढ़-चढ़कर सहयोग किया। सपा विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है। कांवड़ियों की सेवा और सम्मान का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। उन्होंने सभी शिवभक्तों की सुरक्षित, सफल और मंगलमय यात्रा की कामना की। सपा जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि शिवभक्तों की सेवा करना पुण्य और सौभाग्य का कार्य है। कांवड़ियों के स्वागत एवं सेवा के लिए भंडारे सहित आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं, ताकि उन्हें यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता, स्थानीय लोग एवं श्रद्धालु मौजूद रहे और कांवड़ियों की सेवा में सहयोग किया।

झांसी तिराहे पर अवैध क्लीनिक सील, फर्जी डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर की तैयारी

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। शहर के झांसी तिराहे पर गुप्त रोगों के उपचार के नाम पर संचालित किए जा रहे एक कथित अवैध क्लीनिक पर स्वास्थ्य विभाग ने छापामार कार्रवाई करते हुए तालाबंदी कर दी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देश पर रविवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की। जांच के दौरान क्लीनिक संचालन से जुड़े व्यक्ति के पास वैध चिकित्सकीय डिग्री नहीं मिलने पर विभाग ने पुलिस में एफआईआर दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋषीश्वर के अनुसार कलेक्टर को झांसी तिराहा क्षेत्र में अवैध रूप से क्लीनिक संचालित किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुनील खंडोलिया के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच दल गठित किया गया। टीम में एपिडेमियोलॉजिस्ट लाल जू शाक्य और फार्मासिस्ट बालेंदु रघुवंशी शामिल रहे। दबिश में क्लीनिक संचालित मिला- रविवार दोपहर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने झांसी तिराहा क्षेत्र में दबिश दी। सेसई वाला मिष्ठान भंडार के पास 'डॉ. शेख क्लीनिक' नाम से गुप्त रोगों के उपचार का क्लीनिक संचालित मिला। मौके पर आजिम पुत्र अजमल शेख, निवासी ग्राम सहर, जिला मथुरा मिला। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक जांच के दौरान आजिम ने बताया कि उसका भाई शेख अजहर अली एमबीबीएस चिकित्सक है, लेकिन मौके पर वैध चिकित्सकीय उपचार संबंधी डिग्री प्रस्तुत नहीं की जा सकी। इसके बाद जांच दल ने क्लीनिक पर तालाबंदी की कार्रवाई की। सीएमएचओ ने कोतवाली में दिया आवेदन- जांच दल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋषीश्वर ने कथित फर्जी डॉक्टर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के लिए सिटी कोतवाली शिवपुरी में आवेदन प्रस्तुत किया है। स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई के बाद क्षेत्र में बिना वैध डिग्री चिकित्सा सेवाएं देने वालों को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं।

वारंट तामीली में लापरवाही पर होगी कार्रवाई, कोर्ट मुंशियों को एसपी ने दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में लंबित वारंटों की तामीली और न्यायालय से संबंधित पुलिस कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया ने रविवार को पुलिस कंट्रोल रूम में जिले के सभी कोर्ट मुंशियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने न्यायालयीन कार्यों की समीक्षा करते हुए समयबद्ध तरीके से कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसपी ने निर्देश दिए कि लंबित, चिन्हित तथा जेल में निरुद्ध आरोपियों से संबंधित वारंटों की शत-प्रतिशत तामीली कराई जाए। यदि किसी वारंट की तामीली नहीं हो पाती है तो थाना प्रभारी इसके कारण का स्पष्ट उल्लेख करते हुए रोजनामचा और वारंट रजिस्टर में उसकी प्रविष्टि करें। इसकी नियमित मॉनिटरिंग संबंधित एसडीओपी द्वारा की जाएगी। उन्होंने न्यायालय से प्राप्त ई-समन और वारंटों की अधिक से अधिक तामीली कराने के निर्देश देते हुए कहा कि वारंट तामीली में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित को नोटिस जारी किया जाएगा। उच्च न्यायालय से जारी वारंटों में समयावधि अधिक होने के बावजूद वारंट जारी होने के दिन से ही तामीली के प्रयास किए जाएं। तामीली संभव न होने की स्थिति में वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल अवगत कराने के निर्देश दिए गए।सजा होने पर रिकॉर्ड में दर्ज होगी जानकारी- पुलिस अधीक्षक ने न्यायालय से सजा होने के बाद सजायाबी की जानकारी थाने की व्हीसीएनवी में दर्ज कराने तथा न्यायालय से प्राप्त आदेशों की जानकारी थाना प्रभारी को देने के निर्देश दिए। इसके बाद थाना प्रभारी द्वारा वरिष्ठ कार्यालय को सूचित किया जाएगा। साक्षियों की पेशी पर भी विशेष जोर- बैठक में साक्षियों को न्यायालय में तारीख एवं पेशी की सूचना समय पर देने के निर्देश दिए गए। कोर्ट मुंशी और थाना प्रभारी साक्षियों से संपर्क कर उन्हें एडीपीओ के पास ले जाकर आवश्यक समझाइश दिलाएंगे। अधिक मामलों में स्वीकृति कराने तथा लंबित चालानों को न्यायालय में प्रस्तुत कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एसपी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को न्यायालयीन कार्यों में गंभीरता और समयबद्धता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

नाबालिग छात्रा छेड़छाड़ के आरोपी पर ग्रामीणों के थाने में धरने पर बैठने पर हुई कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा के नटेरन में नाबालिग छात्रा से कथित छेड़छाड़ के मामले में पुलिस कार्रवाई से नाराज ग्रामीणों ने थाने के सामने चक्का जाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि आरोपी भोला उर्फ कन्हैया प्रजापति s/o घनश्याम प्रजापति ने दिन दहाड़े स्कूल जा रही नाबालिक छात्रा के साथ छेड़छाड़ की जिससे छात्रा सदमे में हे।

जब इस मामले में ग्रामीणों ने नटेरन तहसील में ज्ञापन दिया इसके बाद पुलिस ने युवक को पकड़ा, लेकिन रात में उसे छोड़ दिए जाने की बात सामने आने के बाद ग्रामीणों का आक्रोश भड़क गया।

करीब तीन घंटे तक ग्रामीण थाने के बाहर धरने पर बैठे रहे और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते रहे।तब जाकर पुलिस ने लगभग 10 बजे आरोपी को पकड़ा

जानकारी के मुताबिक, घटना के बाद ग्रामीणों ने तहसीलदार को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया, लेकिन पुलिस के मुताबिक उसकी तबीयत बिगड़ने के कारण उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि युवक को रात में छोड़ दिया गया, जिसके बाद आज बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने पहुंच गए।

ग्रामीणों की मांग थी कि आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी का जुलूस निकालने की भी मांग की।

इसी मांग को लेकर ग्रामीण करीब तीन घंटे तक थाने के सामने धरने पर बैठे रहे। नटेरन जनपद अध्यक्ष सहित गांव के वरिष्ठ नागरिक भी थाने पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। मामले को लेकर नटेरन जनपद अध्यक्ष श्रीमती संगीता यशपाल रघुवंशी भी थाने पहुंचीं।

इस दौरान कार्रवाई को लेकर एसडीओपी शिखा भालवी से उनकी बहस भी होती दिखाई दी।नटेरन एस डी एम अजय पाठक भी नटेरन थाने पहुंचे।

ग्रामीणों का कहना था कि जिस कार्रवाई की मांग कल से की जा रही थी, वह प्रदर्शन के बाद आज की जा रही है।

वहीं, पुलिस की ओर से पूरे मामले में अलग पक्ष सामने आया है। नटेरन थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार के मुताबिक आरोपी को कल ही पकड़ा गया था, लेकिन उसकी तबीयत खराब होने के कारण उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पुलिस का कहना है कि अब आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

गंजबासौदा एसडीओपी शिखा भालवी ने बताया कि पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा चुकी है और आरोपी को जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने ग्रामीणों की जुलूस निकालने की मांग को मानवाधिकार के विरुद्ध बताते हुए कहा कि पुलिस आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी।

फिलहाल पुलिस कार्रवाई के बाद भी ग्रामीण थाने में मौजूद रहे और आरोपी का जुलूस निकालने की मांग पर अड़े रहे। ग्रामीणों का कहना हे

कि आरोपी थाने में पदस्थ एस आई की पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले में कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।

थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने बताया की आरोपी को कार्रवाई कर जेल भेज दिया हे।

संक्षिप्त समाचार

रोडवेज बस ने पीछे से बाइक में मारी टक्कर, युवक की मौत, साथी घायल

बिलारी। मुरादाबाद-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार दोपहर थाना बिलारी के सामने रोडवेज बस ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। संभल जनपद के थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र के गांव भमांच निवासी 20 वर्षीय कुशल यादव पुत्र जंग बहादुर अपने साथी ज्ञानेश यादव पुत्र अमरनाथ के साथ मोटरसाइकिल से रामनगर गंगपुर स्थित रिश्तेदारी में आए थे। दोनों बाइक से वापस अपने गांव भमांच जा रहे थे। दोपहर करीब दो बजे जब वे थाना बिलारी के सामने पहुंचे, तभी पीछे से आ रही रोडवेज बस ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलारी पहुंचाया। चिकित्सकों ने कुशल यादव को मृत घोषित कर दिया, जबकि ज्ञानेश को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुरादाबाद भेज दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांवड़ियों से गुलजार रहा मुरादाबाद-बिलारी-कुंदरकी-चंदौसी हाईवे, जगह-जगह लगे भंडारे

बिलारी । सावन के अंतिम सोमवार से एक दिन पहले रविवार को मुरादाबाद-बिलारी-कुंदरकी-चंदौसी मार्ग कांवड़ियों के रंग में रंगा नजर आया। ब्रजघाट से पवित्र गंगाजल लेकर लौटे सैकड़ों शिवभक्तों के जत्थों के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग पर

दिनभर आस्था का सैलाब उमड़ा रहा। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा और हाईवे पर कांवड़ियों का विशाल मेला लगा रहा। कुछ दिन पूर्व बिलारी नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में शिवभक्त ब्रजघाट के लिए रवाना हुए थे। ब्रजघाट से गंगाजल लेकर रविवार को कांवड़ियों के जत्थे वापस लौटे। कांवड़ यात्रा में महिलाएं, पुरुष और बच्चे भी बड़ी संख्या में शामिल रहे। नगर के विभिन्न मोहल्लों से श्रद्धालु अपने-अपने जत्थों में शामिल होकर कांवड़ियों के स्वागत के लिए मार्ग में पहुंचे और उनके साथ बिलारी तक लौटे। कांवड़ियों के स्वागत एवं सेवा के लिए मुरादाबाद से लेकर कुंदरकी, बिलारी और चंदौसी मार्ग तक जगह-जगह सेवा शिविर, विश्राम स्थल और भंडारे लगाए गए। श्रद्धालुओं को भोजन, प्रसाद, फल, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। स्थानीय लोगों ने उत्साह के साथ कांवड़ियों का स्वागत किया और उनकी सेवा में जुटे रहे। कई स्थानों पर पुष्पवर्षा कर कांवड़ियों का अभिनंदन भी किया गया। कांवड़ियों के नगर में प्रवेश के दौरान ऐसा दृश्य दिखाई दिया मानो पूरा बिलारी शिवमय हो गया हो। अनेक लोग अपने प्रतिष्ठान और घरों से निकलकर कांवड़ियों के जत्थों में शामिल हुए और उन्हें अपने साथ लेकर नगर तक पहुंचे। महिलाओं और बच्चों में भी कांवड़ियों के स्वागत को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। जगह-जगह बज रहे भोले के भजनों और गूंजते जयकारों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर दिनभर कांवड़ियों की आवाजाही के चलते मेले जैसा दृश्य बना रहा। सेवा शिविरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। लोगों ने कांवड़ियों को विश्राम कराया और श्रद्धाभाव से भोजन व प्रसाद ग्रहण कराया। कांवड़ यात्रा के दौरान सेवा और सहयोग की भावना ने क्षेत्र में धार्मिक उत्साह के साथ सामाजिक एकता का भी संदेश दिया। कल होगा सावन के अंतिम सोमवार का जलाभिषेक- सोमवार को सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर कांवड़िए अपने-अपने क्षेत्र के शिवालयों में पहुंचकर भगवान शिव का पवित्र गंगाजल से जलाभिषेक करेंगे। इसके लिए नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न शिव मंदिरों में विशेष तैयारियां की गई हैं। कांवड़ियों द्वारा भोलेनाथ का जलाभिषेक किए जाने को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष के बीच सावन के अंतिम सोमवार पर शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है।

रक्तदान मानवता की सेवा निस्वार्थ सहयोग और विश्व बंधुत्व की भावना की दिशा में महत्वपूर्ण पहल- एसपी रोहित कशवानी

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा -प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय मुखर्जी नगर सेवा केंद्र द्वारा ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 19वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में 21 से 25 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाले विश्व बंधुत्व रक्तदान महाभियान शिविर का आयोजन किया गया। इस महाअभियान के अंतर्गत भारत एवं नेपाल में हजारों रक्तदान शिविरों का आयोजन कर अधिक से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित करने तथा समाज में विश्व बंधुत्व और मानव सेवा का संदेश देने का लक्ष्य रखा गया है।

विदिशा एसपी रोहित कसवानी जी एवं गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। एसपी रोहित कशवानी जी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित यह रक्तदान महाभियान मानवता की सेवा, निस्वार्थ सहयोग और विश्व बंधुत्व की भावना को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। भारत एवं नेपाल में हजारों शिविरों के माध्यम से आयोजित होने वाला यह अभियान अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करेगा और जरूरतमंदों के जीवन की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

रक्तदान सबसे बड़ा महादान है। इसके बारे में जितना कहा जाए उतना ही कम है, क्योंकि हमारे द्वारा दिया गया रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जिंदगी बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सभी से रक्तदान के इस पुनीत कार्य में आगे बढ़कर सहयोग करने का आह्वान किया।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने कहा कि लोगों में रक्तदान को लेकर कई प्रकार की भ्रांतियां एवं भय पाए जाते हैं,

जिसके कारण वे रक्तदान करने से घबराते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि रक्तदान एक सुरक्षित प्रक्रिया है और रक्तदान के बाद शरीर में नए रक्त का निर्माण होता है। उन्होंने सभी से इन भ्रांतियों को दूर कर जरूरतमंदों की सहायता के लिए रक्तदान करने और इस अभियान में सहयोगी बनने का आह्वान किया। विजय श्रीवास्तव ने कहा कि रक्तदान को बढ़ावा देना हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है। रक्त की कोई जाति, धर्म या भेदभाव नहीं होता। जरूरत के समय यही रक्त किसी भी व्यक्ति का जीवन बचाने में सहायक बन सकता है। इसलिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को मानवता की सेवा के लिए रक्तदान के प्रति जागरूक होना चाहिए। ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने कहा कि रक्तदान विश्व बंधुत्व की पहली कड़ी है। जब किसी जरूरतमंद व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता होती है और उसे रक्त मिल जाता है, तो उसकी जिंदगी बच जाती है। उस समय वह यह नहीं पूछता कि रक्तदाता किस जाति या धर्म से संबंधित है। रक्त मानवता को जोड़ने का कार्य करता है और इसी भावना से यह अभियान विश्व बंधुत्व का संदेश देता है।

कार्यक्रम में ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. राजेंद्र ने भी रक्तदान के महत्व, इसकी प्रक्रिया एवं इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी तथा लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। अनेक भाई-बहन एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बरदेहरा नानपारा रोड पर झाड़ियों से खतरा

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती बरदेहरा मोड़ से नानपारा जाने वाली सड़क की दोनों पटरियों पर बड़ी बड़ी झाड़ियां लगी हैं। इसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लेकिन झाड़ियों को साफ नहीं कराया जा रहा है। बरदेहरा से नासिरगंज, बदला चौराहा, गिरंटबाजार होते हुए नानपारा तक जाने वाली सड़क की दोनों पटरियों पर बड़ी बड़ी झाड़ियां लगी हैं। सड़क की पटरियों पर बड़े बड़े झाड़ झंखाड की तरफ अधिकारियों का ध्यान नहीं जा रहा है। सैकड़ों की संख्या में छोटे बड़े वाहन रात दिन निकलते हैं।

62वीं वाहिनी एस.एस.बी.द्वारा भिनगा में रक्तदान शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती - 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा में अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट के दिशानिर्देशन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन जिला अस्पताल, भिनगा की चिकित्सकीय टीम के सहयोग से किया गया। रक्तदान शिविर में द्वितीय कमान अधिकारी ललेंद्र रत्नाकर की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर जिला अस्पताल, भिनगा के चिकित्सक डॉ. डी. एन. वर्मा, उप कमांडेंट पीयूष सिन्हा, गोवर्धन पुजारी एवं सहायक कमांडेंट गौतम आजाद सहित वाहिनी के अधीनस्थ अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। शिविर के दौरान 62वीं वाहिनी के जवानों एवं कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कुल 09 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदाताओं द्वारा स्वेच्छा से किए गए इस पुनीत कार्य से जरूरतमंद मरीजों को जीवनरक्षक रक्त उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने रक्तदान को मानव सेवा का सर्वोत्तम माध्यम बताते हुए सभी जवानों एवं कार्मिकों को इस नेक कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के जनहितकारी एवं मानवीय कार्यक्रमों का आयोजन कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया जाता रहा है। रक्तदान शिविर में योगदान देने वाले सभी रक्तदाताओं का उत्साह, समर्पण एवं मानव सेवा के प्रति उनकी भावना सराहनीय रही।

मल्हीपुर-बाबागंज सड़क गड्ढों में तब्दील राहगीरों को हो रही परेशानी

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती- बारिश के बाद बदहाल मल्हीपुर-बाबागंज मार्ग की हालत और खराब हो गई है।

सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों में पानी भर जाने से राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

करीब नौ किलोमीटर की दूरी तय करने में लोगों को एक घंटे तक का समय लग रहा है और हादसे की आशंका भी बनी रहती है। बारिश होने से मल्हीपुर-बाबागंज मार्ग सड़क के गड्ढे दिखाई नहीं देते हैं। इससे वाहन चालकों के लिए हादसे का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की बदहाली के कारण आए दिन वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ती है। सबसे अधिक परेशानी मरीजों को हो रही है। एंबुलेंस को मरीजों को सीएचसी तक पहुंचाने काफी समय लग रहा है। वहीं, स्कूली बच्चों बच्चों को भी बदहाल सड़क होने के कारण नौ किलोमीटर का सफर तय करने में लग रहा एक घंटे का समय जर्जर सड़क के कारण आने-जाने में कठिनाई हो रही है। यह मार्ग नेपाल बार्डर को भी जोड़ता है। इससे सड़क पर लोगों का आवागमन लगातार बना रहता है। क्षेत्र के लोगों ने विभाग से सड़क की मरम्मत कर गड्ढों को भरवाने की मांग की है, लेकिन बदहाल सड़क की स्थिति नहीं सुधर रही है। लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता विनोद प्रसाद ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा है। स्वीकृति मिलने के बाद सड़क का मरम्मत करा दिया जाएगा।

रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा एवं मानदेय में वृद्धि की घोषणा

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ में पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान करने एवं मानदेय में वृद्धि किए जाने के संबंध में माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का जनपद स्तर पर सजीव प्रसारण अटल बिहारी वाजपेयी सभागार, कलेक्ट्रेट बदायूँ में किया गया।

जनपद स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव, विधान परिषद सदस्य वागीश पाठक के प्रतिनिधि शारदेंदु पाठक, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार, जिला विकास अधिकारी मनोज कुमार सिंह तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

कार्यक्रम में जनपद के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने मुख्यमंत्री के सजीव प्रसारण को सुना। मुख्यमंत्री द्वारा रसोइयों को पांच लाख रुपये तक के नि:शुल्क उपचार के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना का लाभ दिए जाने तथा रसोइयों के मानदेय में 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये किए जाने की घोषणा की गई। इस अवसर पर सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा से आच्छादित किया जाना सरकार की महत्वपूर्ण एवं कल्याणकारी पहल है। इससे पात्र परिवारों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक का नि:शुल्क कैशलेस उपचार प्राप्त हो सकेगा। उन्होंने मानदेय में वृद्धि के लिए जनपद की सभी रसोइयों को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालयों में बच्चों को शुद्ध एवं पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराने का आह्वान किया। जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव ने कहा कि विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान करना एवं उनके मानदेय में वृद्धि करना सरकार का सकारात्मक कदम है। इससे रसोइयों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से संबल मिलेगा और उनका भविष्य अधिक सुरक्षित होगा।कार्यक्रम के दौरान जनपद की रसोइयों को प्रतीकात्मक कैशलेस चेक प्रदान कर एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार ने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं रसोइयों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन कामिनी राठौर द्वारा किया गया।

विधायक एवं महंत ने दो मंदिरों में एक करोड़ 35 लाख रुपए बनने वाले भवनों का शिलान्यास कर पूजा अर्चना की

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ कालपी जालौन- रविवार के दिन विधायक एवं बनखंडी मंदिर के महंत समेत दोनों ने लाखों के होने वाले भवन का पूजन कर शिलान्यास किया।

नगर के आलमपुर स्थित मां बनखंडी मंदिर प्रांगण में आयोजित शिलान्यास समारोह में मंदिर के महंत जमुनादास महाराज कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी समेत दोनों ने स्थानीय भाजपा के लोगों की उपस्थिति में विद्वान पंडित के द्वारा वेद मत्रों के उच्चारण से पूजा अर्चना कराई गइ

ं समारोह पर विधायक चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि महंत के कहने पर तथा आदि भक्तों के हितों का ध्यान रखते हुए मंदिर में पर्यटन विभाग से नए भवन के लिए धनराशि स्वीकृत कराई गई है मंदिर के लिए महंत जी का जो आदेश होगा वह मैं सदैव पालन कर सेवा में समर्पित रहूंगा

इसके उपरांत उन्होंने फावड़ा से मिट्टी खोदकर शिलान्यास किया संस्था के लोगों ने अवगत कराया कि पर्यटन विभाग द्वारा स्वीकृत धनराशि 70 लाख 47 हजार रुपए की लागत से मल्टी परपज हॉल सोलर लाइट एवं इंटरलॉकिंग निर्माण करने के लिए कार्य दाई संस्था अधिशाषी अधिकारी उमा मस शुक्ल क्षेत्रीय अधिकारी धर्मेंद्र शर्मा अवर अभियंता मौल कुमार यादव लोगों की देखरेख में निर्माण कराया जाएगा टीम ने अवगत कराया भवन को तैयार करने में लगभग 3 महीने लगकर निर्माण पूरा किया जाएगा इसी प्रकार गणेशगंज स्थित गणेश मंदिर में विधायक ने पहुंचकर मंदिर के महंत की उपस्थिति में मौजूद विद्वान पंडित के द्वारा लगभग 68 लख रुपए से बनने वाले भवन का पूजा अर्चना कर शिलान्यास किया उपस्थित लोगों में महंत ऋषभ महाराज मनोज चतुर्वेदी जिला उपाध्यक्ष अमित पांडे भाजपा नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी भारत सिंह यादव सर्राफा मंडल अध्यक्ष अरविंद उर्फ कल्लू सोनी बबलू सिंह राणा राजेंद्र साहु ब्राह्मण सभा जिला अध्यक्ष राजू पाठक पूर्व सभासद राजेश द्विवेदी बाबू सिंह यादव जीतू तिवारी पूर्व प्रधानाचार्य आशुतोष मिश्रा ब्रह्मा सिंह यादव कन्हैया मिश्रा धर्मेंद्र पाल देवेंद्र गुप्ता कुलदीप शर्मा आदि दर्जनों लोग दोनों कार्यक्रम में मौजूद रहे।

शिवभक्तों पर पुलिस व अधिकारियों ने बरसाए फुल

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूं में श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित सम्पन्न कराने के दृष्टिगत एसएसपी के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा थाना सिविल लाइन क्षेत्रान्तर्गत भंडारे का आयोजन कर शिवभक्तों, कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत एवं सेवा की गई । इस दौरान कांवड़ लेकर गुजर रहे श्रद्धालुओं से संवाद कर उनका हालचाल जाना गया तथा उनकी यात्रा के संबंध में जानकारी लेते हुए मंगलमय, सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की शुभकामनाएं दी गईं। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कांवड़ यात्रियों को श्रद्धापूर्वक प्रसाद परोसा गया तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया । कांवड़ यात्रियों की सुविधा एवं सेवा को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा पेयजल, भोजन, प्रसाद सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। आयोजन के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा श्रद्धालुओं के साथ आत्मीयता एवं सेवाभाव का परिचय देते हुए कांवड़ यात्रा को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए निरंतर सहयोग प्रदान किया गया । बदायूँ पुलिस श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सेवा के लिए प्रतिबद्ध है तथा कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित सम्पन्न कराने हेतु पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रही है।

102.75 ग्राम स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती - मल्हीपुर पुलिस व सशस्त्र सीमा बल (SSB) की संयुक्त टीम द्वारा श्रावस्ती जिले में दो स्मैक तस्करों को गिरफ्तार किया है उनके पास से 102.75 ग्राम अवैध स्मैक भी बरामद की गई है जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 20 लाख 55 हजार रुपए बताई जा रही है पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो स्मैक तस्कर नेपाल जाने की फिराक में है। इस सूचना पर मल्हीपुर पुलिस व सशस्त्र सीमा बल (SSB) की संयुक्त टीम ने ग्राम पंचायत बेलरी के पास नेपाल जाने वाले खड़जे रास्ते पर चेकिंग अभियान चलाया, चेकिंग के दौरान वाजिद अली पुत्र साबित अली उम्र 36 वर्ष व आबिद अली पुत्र हैदर अली उम्र 51 वर्ष निवासी सागर गांव थाना मल्हीपुर को गिरफ्तार किया गया उनके कब्जे से अवैध स्मैक के साथ एक हीरो मोटरसाइकिल और मोबाइल जब्त किए गए हैं। दोनों तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जेल भेज दिया गया।

Women with chronic illnesses are at greater risk of miscarriage during pregnancy, a new study warns.

Not taking proper care of their health during pregnancy can be dangerous for both mother and baby. The journey of pregnancy is both unique and challenging for every woman. Furthermore, if a woman has a pre-existing medical condition or neglects her health, it can be detrimental to both mother and child. A recent study in The Lancet suggests that if a pregnant woman is experiencing a mental or physical illness during the early months of pregnancy, the risk of miscarriage increases significantly. Up to 20 percent increased risk of miscarriage - A study published in The Lancet Public Health journal shows that if a woman suffers from multiple long-term physical or mental illnesses at the beginning of pregnancy, her risk of miscarriage (miscarriage) can increase by 20 percent and the risk of severe nausea and vomiting can increase by 69 percent. Furthermore, the study also found that women who have two or more medical conditions before pregnancy have a four-fold increased risk of anxiety and depression. Higher risk of serious illnesses - This research, conducted by King's College London, also found that women with multiple long-term medical conditions had more than double the risk of venous thromboembolism and a 42 percent increased risk of pre-eclampsia (high blood pressure during pregnancy), compared to a lower risk in women without these medical conditions. The risk of complications increased with each additional illness. For example, women who had three or more chronic conditions had more than three and a half times the risk of venous thromboembolism compared to women who had no chronic conditions. "These results strongly suggest that multiple chronic conditions should be considered a marker of prenatal risk in themselves," said senior researcher Krishnaraja Nirantharakumar, clinical professor of public health and health data science at King's College London.

Neither dangerous nor perfect! What is this "beige flag" in a relationship? Does your partner also have these strange habits?

There are other flags in relationships besides red and green, one of which is the beige flag. We've all heard about red and green flags in relationships, but do you know what the beige flag is? It's a flag in a relationship that neither signals anything serious like a red flag nor anything positive like a green flag. Now the question arises, why is this flag so discussed? Let's explain it. What is a beige flag in a relationship? - A beige flag in a relationship is neither positive nor negative; it can generally be considered neutral. These flags tell us about the good and bad signs of a relationship, and one of these is the beige flag. It is subjective and includes a person's strange habits. These habits are neither so harmful that they can break the relationship, nor so beneficial that they can have a positive impact on the relationship. Ways to Identify Beige Flags - There are many ways that indicate a beige flag in a partner. Let's explore them: Odd Preferences or Fears - Your partner may have some strange preferences that sometimes annoy you, sometimes make you laugh. Let's say your partner is afraid to cross the street, has a phobia of cockroaches, or has a collection of the same type of clothing. Strange Habits - Beige flags include your partner's unusual habits; such as eating pizza with excessive salt or sauce, suddenly clapping while talking, collecting cold drink caps or postcards, etc., all of which are considered beige flags. A person's qualities - Beige flags also include a partner's personality and qualities, which, knowingly or unknowingly, attract us to them. Being a master of a particular art, being childish, getting angry over trivial matters, being weak in math, or forgetting to distinguish between right and left are also considered beige flags. Unique interests – being overly fond of a particular animal or bird, and having so much knowledge about a subject that it surprises the other person.

Still not looking perfect even with expensive clothes? Understand the best fitting guide for your body shape.

Improve your style and always shop for clothes based on your body shape. If you think that wearing expensive branded clothes is all you need to look stylish, this is a big misconception. This is because a person's body type plays an equally important role in style. It often happens that we buy clothes based on fashion trends, but when we try them on, they don't look right. Let's solve this problem once and for all and find out which dresses will look good on which body type. The best fitting guide for every body type. Body type means more than just being fat or thin, which we often overlook. There are five general body types in women, which we will discuss: Pear shape: In a pear shape, the lower part of the body is wider than the upper part. This body type requires a good balance in dressing, not hiding the body. Which dress is perfect? A-line kurtis and suits are perfect for this body type. Boatnecks, square necks, embroidered necklines, and dresses with detailing on the sleeves are also perfect. For bottoms, choose straight pants, palazzos, and Hourglass: This body type has a proportionate shoulder and hip profile, while the waist is clearly slender. Therefore, clothing should be chosen that balances the body's curves. Which dresses are perfect? ??It's wise to choose fit-and-flare dresses, wrap dresses, high-waisted jeans and trousers, paneled suits, fitted blouses, and bodycon dresses. Rectangle: The hallmark of the rectangle shape is that the shoulders, hips, and waist are all approximately equal in width. This prevents the waist from appearing prominent. Therefore, choose clothing that shapes the waist. Which dresses are perfect? You can choose from wrap dresses, A-line and fit-and-flare dresses, belted shirt dresses, layering dresses, and ethnic options like Anarkali suits, A-line kurtas, and lehengas or saris with belts. Apple Shape - Clothes for an apple shape shouldn't be too loose. Women often buy oversized clothes to hide belly fat, but they actually make the body appear larger. This body type has a slightly heavier stomach and chest, but the waist size isn't clearly visible. Which dresses are perfect? ??- Wear lightweight fabrics like georgette, chiffon, and silk with a lightly structured A-line kurti, straight-cut kurti, V-neck, wrap dresses, and empire waists. Inverted Triangle - This shape is characterized by a broad upper body and a narrow lower body. In this body type, the shoulders and chest appear slightly broad, but the waist and hips appear slim. Which dresses are perfect? Give preference to A-line dresses, flared dresses, peplum dresses, wide-leg or palazzo pants, V-neck or scoop neckline in clothes.

A cult song from a TV serial brings life to Rajasthani weddings, capturing the groom's feelings in the wedding hall.

We've heard plenty about Bollywood's cult classics, but today we're telling you about a song from a TV serial that has been the pride of weddings for 17 years. This song has been the pride of weddings for 17 years - Rajasthan - Jaipur ki Shaadi ki Hai Shaan - This TV serial song is a favorite among couples. TV serials not only have iconic characters, but many shows have songs that have resonated with audiences. We're telling you about one such show that has been ruling the television scene for the past 17 years. The show's title track is famous, but it also featured a song that remains a staple of weddings to this day. It's been a favorite song of brides and grooms for 17 years. Wedding season is upon us, and there will be many songs that brides and grooms will be looking for to dedicate themselves to each other. So, let us tell you about a song from a TV show that has been played at weddings for 17 years. The lyrics are, "Dil se bandhi ek door jo door tak jaati hai." This song was from Rajan Shahi's show, "Yeh Rishta Kya Kehlata Hai," sung by Pamela Jain and Kavita Ram, and composed by Naveen Manish. This Hina Khan song is played a lot at weddings. In fact, when Hina Khan appeared on Bigg Boss season 11, it suddenly played. Hina became very emotional after hearing this song. She told a contestant sitting next to her that this song is from her show, "Yeh Rishta Kya Kehlata Hai," and is played at weddings in Jaipur and Rajasthan. Hina Khan became very emotional while telling her co-contestants about the cult show in Bigg Boss 11. When did Yeh Rishta Kya Kehlata Hai start? - Yeh Rishta Kya Kehlata Hai is one of the most popular shows of Star Plus. Produced by Rajan Shahi, this show started in the year 2009. In which Hina Khan entered as Akshara. After working for almost 8 years, Hina Khan said goodbye to this show in the year 2016. Apart from Hina Khan, this show also made Shivangi Joshi famous in every household.

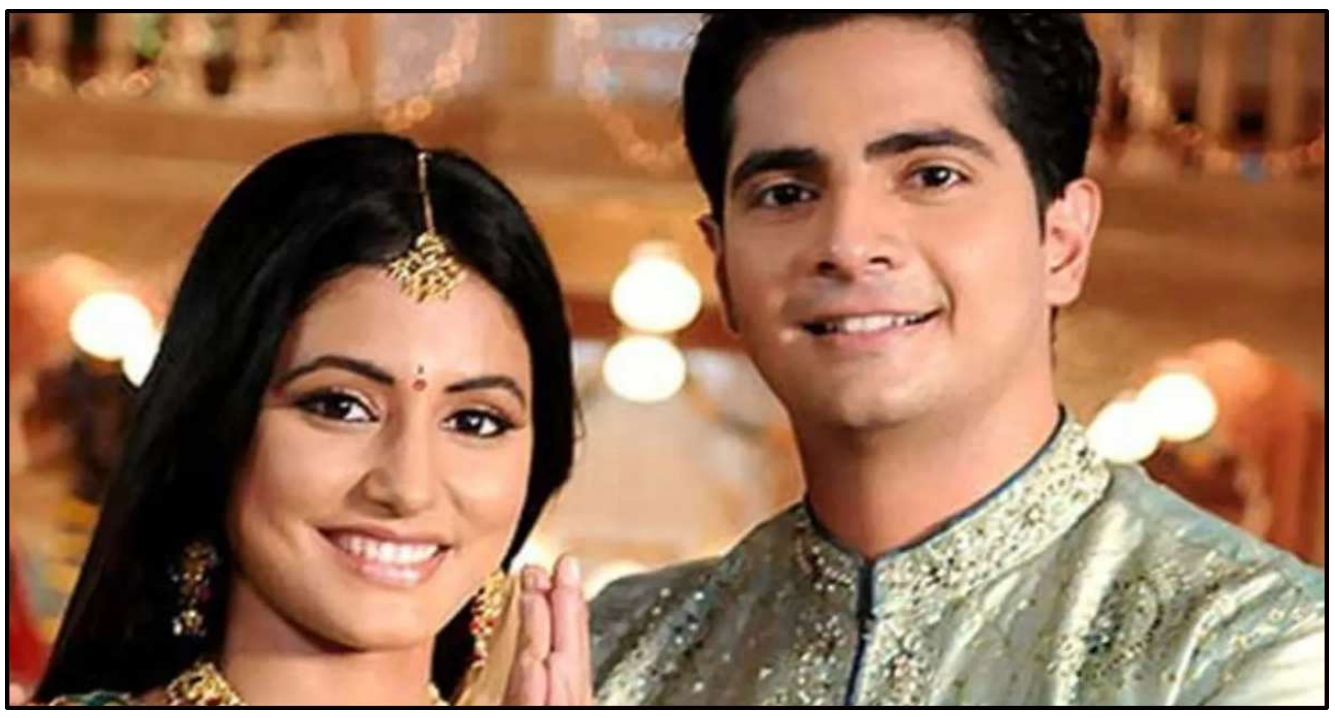

Father left her at the age of four months, chose acting to support the family. Today, Farrhana Bhatt shines from reality shows to films.

Actress Farhana Bhatt, who came to the limelight after appearing on Bigg Boss 19, spoke with Dainik Jagran in an exclusive interview about Khatron Ke Khiladi 15, a film with Rohit Shetty, and her upcoming plans. Farhana Bhatt, who is appearing in 'Khatron Ke Khiladi 15', left her home to support her family. Her acting in 'Laila Majnu' was considered poor. Currently participating in the show Khatron Ke Khiladi 15, Farrhana Bhatt, born in Srinagar, Jammu and Kashmir, has had a challenging life. She was only four months old when her father abandoned the family. Her mother raised her amidst numerous challenges. Farhana gained recognition through the reality show Bigg Boss 19. Priyanka Singh spoke with Farhana, who has worked in both modeling and films, on various topics. After Bigg Boss 19, Farhana on 'Khatron Ke Khiladi' - After Bigg Boss 19, actress Farhana Bhatt had thought she wouldn't do reality shows. She didn't want to be labeled solely as a reality show host, but then she participated in Colors' Khatron Ke Khiladi 15, where she performed amazing stunts. Farhana wants to do films - Farhana Bhatt says, "Every time I say this will be my last reality show, I somehow find myself stuck in another reality show. However, now I feel like this will be my last reality show. After this, I want to focus on acting. I'm also paying a lot of attention to dance and workouts. While doing Khatron Ke Khiladi, I realized how important it is to go to the gym. Because after every stunt, my body would ache a lot. I now have to focus on my physical and mental health." Keeping a healthy mind is crucial because, even in life, you never know what you're dealing with until the very last moment. I believe everyone should focus on themselves first. Explaining her reasons for participating in Khatron Ke Khiladi 15, Farhana says, "It's a good thing I decided to do it. I didn't even know what I was afraid of. I faced all my fears. I was very clear in my mind: this experience is a once-in-a-lifetime experience. If you conquer your fear, nothing will happen to you." Safety is always strictly enforced on the show. Outside of this show, if someone placed a crocodile in front of me, I would run miles away, but on the show, you have the chance to touch it. You're tied to a rope, so no matter how high you jump, you know you won't fall. This show has given me the opportunity to truly explore myself. Farhana has worked with the show's host, Rohit Shetty, in the film Singham Again. Rohit often repeats actors from his films in his next projects. So, did Farhana express a desire to work with him again? She replied, "Rohit sir is the kind of person who won't cast me if I don't fit the role he gives me. He even told everyone during the show that I've worked in his films. I wish I could work with him again, but he won't say it unless he feels he needs me for a role. I also don't have the habit of going and saying, 'I want to work with you, please cast me in your film.' If he feels there's a role for me, he will definitely give it to me, that much I trust him. I had a lot of fun working with him on this show. He's a wonderful host. He closely monitors every stunt on his show. He strives to ensure that the audience doesn't waste their time watching whatever stunt they're watching." He's also strict with those who take stunts lightly or don't even try. Farhana was also a part of the film Laila Majnu, which received a good audience response upon its re-release. Did this benefit Farhana? She says, "I know my shortcomings in that film. I performed very poorly. It was the first acting project of my life, with Imtiaz Ali involved. I had no knowledge of acting. In one scene, I was asked to cry; I tried very hard, but couldn't. Today, looking back at myself in that film, I laugh a lot. Well, experiences teach you. The film's director, Sajid Ali, told me at that time that I should start doing theater; I would go far in acting. I didn't take his words seriously at that time because I had to run my household. I wasn't that passionate about acting. I needed money to run my household at that time." I used to hear the talk of doing theatre in one ear and let it out from the other. When I started enjoying acting and saw how much money there was in it, I thought I should do it well. Then I started doing theatre and took classes to learn acting. Farhana says, "I know my shortcomings. That's why I like constructive criticism very much. When people criticize me like this, I try to understand myself from their point of view, otherwise everyone thinks that they are perfect. If I listen to others' positive suggestions, then I will understand them." If I can become better than him, then I listen to him and learn from his experiences.

Mallika Sherawat is looking for a groom for Shweta Tiwari, saying, "I will find a man who..."

Mallika Sherawat has taken it upon herself to find a suitable partner for Shweta Tiwari on "The Traitors Season 2." Shweta is also shocked to hear this. It seems that the two actresses have developed a close friendship on "The Traitors Season 2." Mallika Sherawat and Shweta Tiwari have become close friends. The two actresses have been seen spending time together on the reality show. Their recent conversation about relationships became a topic of discussion. In the sixth episode, Mallika, Shweta, and Rhea Chakraborty were chatting in the billiards room when the topic turned to Shweta's dating life. Mallika explained that she has taken it upon herself to find a suitable partner for Shweta. What kind of partner is Mallika looking for for Shweta? Mallika told Shweta, "I promised her that I would introduce her to a good European man." Someone who will respect you and value you." Riya then asked Mallika if she thought European men were better at dating than Indian men. Mallika seemed surprised by the question and replied, "Is that even a question worth asking? Have you lost your mind? Yes. But I will definitely fix it." Shweta Tiwari laughed and said, "Why are you after me?" "Shweta Tiwari can't catch a lie?" Finally, Shalini Pasi intervened and told the three actors to stop talking about men and focus on the game. Shweta also discussed her marital experiences during the reality show. In the first episode, she talked about her ex-husbands allegedly cheating on her. When host Karan Johar asked her, "You can't be that good at catching lies?" Shweta replied, "I was the one who caught my husband cheating." Shweta was previously married to actor Raja Chaudhary. After nine years of marriage, the couple separated in 2007. They divorced in 2012. She then married Abhinav Kohli in 2013, but that relationship ended after she filed for divorce in 2019 amid allegations of domestic discord and harassment.